महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 11 | उज्जैन, रविवार 21 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

किसी पर हँसने से अच्छा है किसी के साथ हँसे स्वास्थ भी अच्छा रहेगा और सम्बन्ध भी

स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत की आधारशिला है योग- डॉ. मोहन यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समत्वं योग उच्यते अर्थात् संतुलन ही योग है...श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का यह संदेश जहां समूचे विश्व को संतुलित करने का सूत्र है, वहीं महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र में योगश्चित्तवृत्तिनिरोधःके माध्यम से मानव जीवन को स्वस्थ और निरोग रहने का मार्ग प्रदान किया है।

भारत की यही सनातन योग परंपरा विश्व को शरीर, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित और समृद्ध बनाने का आधार है। सदियों पूर्व ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित जीवन पद्धति आज सम्पूर्ण विश्व के लिए सुख, शांति और संतुलन का मार्ग है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि योग विश्व मानवता के कल्याण का माध्यम बन गया है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह निर्णय भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के प्रति विश्व समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रमाण है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिये योग रखी गई है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश की पावन धरती पर आयोजित समारोह में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सुखद संयोग है कि योग के वैश्विक आंदोलन में मध्यप्रदेश को विशेष भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। स्वस्थ नागरिक विकसित और समृद्ध राष्ट्र का आधार है। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए घर-घर योग - हर व्यक्ति निरोग अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश में 800 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों तथा विभिन्न चिकित्सालयों में नियमित योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा छोटे-छोटे समूहों में भी नागरिकों को योगाभ्यास करवाया जा रहा है। योग-सखी और योग-दूत गांव-गांव और शहर-मोहल्लों तक योग का संदेश पहुंचा रहे हैं। प्रदेश में 12 मई से आरंभ हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन हर घर योग अभियान से जनभागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्रों का लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि विगत दिनों इंदौर स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी में आयोजित योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। योग वन अर्थ-वन हेल्थ विचार को व्यवहार में उतारने का माध्यम है जो हमें स्वयं, समाज और प्रकृति से जोड़ता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ जीवन को संतुलित, सार्थक और उत्कृष्ट बनाता है।

मध्यप्रदेश सरकार ने योग को पर्यावरण-संरक्षण और जनकल्याण से भी जोड़ा है। विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष जन-अभियान संचालित किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम अभियान से पर्यावरण-संरक्षण और योग से स्वास्थ्य संरक्षण पर कार्य किया जा रहा है। प्रकृति और मानव स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। योग हमें प्रकृति संग सह-अस्तित्व का जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही भारतीय जीवन-दर्शन का मूल तत्व भी है।

मध्यप्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा, योग वेलनेस सेंटर, आरोग्य मंदिरों तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से योग को जनांदोलन बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक योग से लाभ प्राप्त करे और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाए।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि मध्यप्रदेश में जनवरी 2027 में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य और एक चेतनाः समग्र कल्याण के लिए योग विषय पर वैश्विक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश, भारत की सभ्यतागत चेतना का वैश्विक प्रतिनिधित्व करेगा।

आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में योग मानवता के लिए बड़ा संबल है। ऐसे यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सुखी जीवन का आधार है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का संकल्प है। यह भारत की उस प्राचीन चेतना का उत्सव है, जिसने सदियों से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। हमें गर्व है कि आज पूरी दुनिया योग को अपनाकर भारत के इस अमूल्य ज्ञान का लाभ प्राप्त कर रही है।

मैं, प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजन, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों और सामाजिक संगठनों से आग्रह करता हूं कि वे योग गतिविधियों से जुड़ें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

आइए, हम सभी मिलकर योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। अपने परिवार और समाज को इससे जोड़ें तथा स्वस्थ मध्यप्रदेश, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में सहभागी बनें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं...

न्यूज ब्रीफ

बेंगलुरु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हादसाः दो श्रमिक लापता, सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल

बेंगलुरु/ जीएनएस। जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में हुए हादसे के बाद दो श्रमिकों की तलाश लगातार जारी है। इस घटना ने शहर के स्वच्छता क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लापता श्रमिकों की पहचान अखिलन मोहन, तमिलनाडु और अखिलेश बिहार के रूप में हुई है। दोनों गुरुवार शाम बेंगलुरु के वर्थुर स्थित BWSSB संयंत्र में रखरखाव कार्य के दौरान 40 फीट गहरे टैंक में गिर गए थे। मैनुअल स्कैवेंजिंग के खिलाफ काम करने वाले संगठनों और श्रमिक यूनियनों ने आरोप लगाया है कि दोनों श्रमिकों को उचित सुरक्षा उपायों के बिना खतरनाक काम में लगाया गया था। इंडियन फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस के कर्नाटक अध्यक्ष एस बालन ने दावा किया कि दोनों श्रमिक न तो BWSSB के नियमित कर्मचारी थे और न ही उसके अनुबंधित कर्मचारियों की सूची में शामिल थे। उनका आरोप है कि उन्हें संयंत्र संचालित करने वाले ठेकेदार के माध्यम से काम पर लगाया गया था। बालन ने कहा कि कई स्वच्छता कर्मियों को न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान किया जाता है और इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सफाई कर्मचारी आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक और रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता बेजवाड़ा विल्सन ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है, क्योंकि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्देश्य ही वैज्ञानिक तरीके से गंदे पानी का प्रबंधन करना होता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे संयंत्रों में भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है, तो यह गंभीर लापरवाही है। विल्सन के अनुसार, संगठन ने वर्ष 2025 में देशभर में 121 स्वच्छता कर्मियों की मौत दर्ज की थी, जबकि 2026 के पहले छह महीनों में ही 95 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। उनका कहना है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है क्योंकि कई मामले सामने ही नहीं आते।

सेहत से खिलवाड़ मंजूर नहीं: सरकार ने 16 फिक्स्ड-डोज दवाओं पर लगाया पूरी तरह बैन

नई दिल्ली/ जीएनएस। आम जनता की जिंदगी और सेहत को सर्वोपरि रखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में 16 फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सरकार का स्पष्ट मानना है कि इन दवाओं का कोई वैज्ञानिक या चिकित्सीय औचित्य नहीं है। एक बेबस मरीज के जीवन को जोखिम में डालकर ऐसी दवाइयों के इस्तेमाल को जारी रखना किसी भी सूरत में फायदेमंद नहीं माना जा सकता। फिक्स्ड-डोज दवाएं वे होती हैं, जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय सामग्रियां (एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स - एपीआई) एक निश्चित अनुपात में मिलाई जाती हैं। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि करोड़ों मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और जरूरी कदम है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद फिक्स्ड-डोज दवाओं की समीक्षा के बाद आया है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था, जिसने इन दवा संयोजनों की बारीकी से जांच की। जांच में पाया गया कि ये 16 काम्बिनेशन न केवल बिना किसी ठोस वैज्ञानिक आधार के बाजार में बेचे जा रहे थे, बल्कि मरीजों के लिए संभावित रूप से बेहद हानिकारक भी थे।

LAC पर बढ़ेगी सेना की ताकत; टैंक टरेन से चीन परेशान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत अपनी पर्वतीय युद्ध क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है। चीन से साथ [illegible] पर घटते-बढ़ते तनाव और हिमालयी क्षेत्रों में सैन्य तैनाती की चुनौतियों के बीच हल्के और अधिक प्रभावी हथियारों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस बीच बेल्जियम की डिफेंस कंपनी जॉन कॉकरिल ने भारत को अपने उन्नत 105 मिमी टैंक टरेट बेचने की पेशकश की है।

कंपनी का दावा है कि यह टरेट विशेष रूप से पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में युद्ध संचालन के लिए डिजाइन किया गया है तथा हिमालयी क्षेत्र जैसी परिस्थितियों में प्रभावी साबित हो सकता है।

कंपनी के अनुसार, इस टरेट की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसकी 42 डिग्री तक ऊंचाई पर फायर करने की क्षमता है। सामान्य टैंकों की तुलना में अधिक ऊंचाई पर निशाना साधने की यह क्षमता पहाड़ी युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है, जहां दुश्मन ऊंटी चोटियों और ढलानों पर तैनात हो सकता है।

जॉन कॉकरिल के इस सिस्टम में ऑटोमैटिक लोडर लगाया गया है, जिससे गोला-बारूद लोड करने की प्रक्रिया तेज होती है और चालक दल का कार्यभार कम होता है। इसके अलावा इसमें अत्याधुनिक फायर कंट्रोल सिस्टम भी मौजूद है, जो कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी सटीक निशाना लगाने में मदद करता है।

टरेट किसी भी टैंक का वह हिस्सा होता है जिसमें मुख्य तोप, फायर कंट्रोल सिस्टम और कई अन्य हथियार प्रणालियां लगी होती हैं। यह 360 डिग्री तक घूम सकती है और विभिन्न दिशाओं में निशाना साध सकता है। जॉन कॉकरिल का प्रस्ताव एक टैंक नहीं, बल्कि एक ऐसा टरेट सिस्टम है, जिसे अलग-अलग बख्तरबंद वाहनों पर भी लगाया जा सकता है।

कंपनी के मुताबिक, यह सिस्टम खास तौर पर कठिन और पहाड़ी इलाकों में युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है।

इसकी प्रमुख विशेषताएं

105 मिमी की मुख्य तोप
42 डिग्री तक ऊंचाई पर फायर करने की क्षमता
ऑटोमैटिक लोडर
आधुनिक फायर कंट्रोल सिस्टम

हल्के प्लेटफॉर्म पर लगाने की सुविधा

42 डिग्री एलीवेशन क्यों महत्वपूर्ण है?

सामान्य टैंकों की तोपें सीमित ऊंचाई तक ही ऊपर उठ सकती हैं। लेकिन पहाड़ी युद्ध में दुश्मन अक्सर ऊंची चोटियों और ढलानों पर मौजूदा होता है। ऐसी स्थिति में 42 डिग्री तक ऊंचाई पर फायर करने की क्षमता टैंक को ऊंचाई पर स्थिति लक्ष्यों पर हमला करने में मदद कर सकती है। यही कारण है कि कंपनी इसे हिमालय जैसे क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बता रही है।

ऑटोमैटिक लोडर से क्या फायदा होगा- परंपरागत टैंकों में गोला-बारूद लोड करने के लिए एक अलग क्रू सदस्य की जरूरत होती है। जबकि ऑटोमैटिक लोडर फायरिंग की गति बढ़ाता है। चालक दल की संख्या कम कर सकता है। सीमित जगह वाले हल्के टैंकों में उपयोगी साबित होता है। कठिन परिस्थितियों में संचालन को आसान बनाता है।

'मोगली गर्ल' एहसास को जंगल में किसने पाला? इंसानों के बीच नौ साल बिताने के बाद दुनिया को कहा अलविदा

लखनऊ/ जीएनएस। नौ साल पहले बहराइच के जंगलों में चौपायों की तरह व्यवहार करते मिली 'मोगली गर्ल' अपने पीछे किस्सों-कहानियों की एक पोटली छोड़ अनंत की ओर विदा हो गई। रुडयार्ड किपलिंग की रचना जंगल बुक के पात्र मोगली की तरह लंबे अरसे तक जंगल में पली-बढ़ी मोगली को यह नाम जागरण ने ही दिया था। बाद में उसे कई और नाम मिले, लेकिन 'मोगली गर्ल' के रूप में वह हर बार याद की गई। इस समय वह लखनऊ में निर्वाण संस्था में रह रही थी जहां उसे एक नया नाम अहसास दिया गया था। यहीं उसे 15 जून को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां फेफड़ों में सेप्टीसीमिया के कारण मौत हो गई। 'मोगली गर्ल' उर्फ अहसास के जाने के बाद सबसे अधिक सन्नाटा उस पुनर्वास केंद्र में पसरा है, जहां उसने अपने जीवन के लगभग नौ वर्ष बिताए थे। यह जनवरी 2017 की बात है। गला देने वाली ठंड के बीच 'मोगली गर्ल' कतर्नियाघाट में मोतीपुर रेंज के जंगलों में बंदरों के बीच मिली थी। मिहीपुरवा के शुएब रायनी व राजेश यज्ञसैनी बाइक से लखीमपुर जा रहे थे। खपरा वन चौकी के पास सड़क से लगभग 10 मीटर अंदर जंगल में एक बालिका बंदरों से घिरी दिखी। दोनों रुक गए।

छोटी-छोटी बात पर पीटते थे, पुणे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने तीसरी मंजिल से कूदकर दी जान

मुंबई/ जीएनएस। पुणे में गुरुवार दोपहर माणिकबाग इलाके में एक महिला ने रिहायशी इमारत की तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। महिला की उम्र 27 साल थी और वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। मृतका के भाई ने सिंहगढ़ रोड पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसने अपनी जान इसलिए दी क्योंकि उसका पति और सास उसे परेशान करते थे।

पुलिस ने मृतका के पति, उसकी सास और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ [illegible] की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया। मृतक महिला का पति भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

सिंहगढ़ रोड पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता और उसके पति की मुलाकात एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने के दौरान हुई थी। उनकी शादी नवंबर 2024 में हुई थी। अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ता के मुताबिक, पीड़िता का पति, सास और अन्य रिश्तेदार उसे छोटी-छोटी बातों पर परेशान करते थे और कभी-कभी पीटते भी थे।

आ गया मानसून... दिल्ली-यूपी-बिहार समेत 23 राज्यों में झमाझम होगी बारिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। मौसम विभाग ने एक बार फिर देश में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। [illegible] के मुताबिक, 21 जून को यूपी-दिल्ली-बिहार सहित देश के 23 राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान की चेतावनी दी गई है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में जोरदार आंधी के चलते पेड़ उखड़ सकते हैं। पहाड़ी राज्यों में भी लोगों की परेशानी बढ़ने वाली हैं। पहाड़ी इलाकों में यात्रा करने वाले मौसम विभाग का नया अपडेट जरूर चेक करते रहें। वहीं कुछ राज्यों में ओले भी गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 23 राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, बंगास, ओडिशा, सिक्किम, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मेघायल, केरल, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगामा में भारी बारिश के अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी।

हवा में नई ताजगी, बंगाल अब बेड़ियों से आजाद, जनता को लूटने वाले जा रहे जेलः पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंटवारे के समय कांग्रेस ने बंगाल को अनाथ छोड़ दिया था। स्वतंत्रता के बाद तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी। बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है, जैसे राज्य अब बेड़ियों से आजाद हो गया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में संबोधन के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने लोगों को 'पश्चिमबंग दिवस' के मौके पर लोगों को बधाई भी दी। उन्होंने कहाकि हमने देखा है कि पिछली सरकारों ने कैसे काम किया। उन्होंने बंगाल को पीछे धकेला और इसे पलायन की भूमि बना दिया। प्रधानमंत्री ने आगे कहाकि बंगाल में जिन लोगों ने जनता का पैसा लूटा था, वे अब उसे लौटा रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमबंग दिवस पर अपने संबोधन में कहाकि बाबा तारकनाथ और बंगाल की यह पुण्यभूमि, पश्चिमबंग दिवस की यह ऐतिहासिक तारीख और इतनी बड़ी संख्या में आप सबकी उपस्थिति, आज चुनाव और शपथ ग्रहण के बाद मुझे पहली बार आपके बीच आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहाकि बंगाल की हवा में अब एक नई ताजगी है। यहां के कण-कण से एक नई खुशबू आ रही है, ऐसा लग रहा है जैसे बंगाल अब बेड़ियों से आजाद हो गया है। जैसे बंगाल का गौरव लौटने का आरंभ हो गया है। आज का यह कार्यक्रम साक्षी है, इन परियोजनाओं का शुभारंभ गवाह है कि हमारा बंगाल अपने नए भविष्य के निर्माण में जुट गया है।

प्रधानमंत्री ने कहाकि इस बार पश्चिमबंग दिवस की यह तारीख और भी खास है। आज़ादी के बाद बंगाल के उज्जवल भविष्य के लिए जो सपना देखा गया था, बंगाल की महान आत्माओं ने जो परिकल्पना की थी। आज पहली बार हम पश्चिमबंग दिवस पर उन सपनों को सच्चाई में बदलते देख रहे हैं। यह ऐतिहासिक तारीख पश्चिम बंगाल के विकास की प्रेरणा बने, हम एक नया और गौरवशाली इतिहास रचे। आज भाजपा-एनडीए सरकार में विकास के महाअभियान की शुरुआत हो रही है।

बुंदेलखंड के लिए खुशखबरी! रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार, यूपी के पांच जिलों को होगा सीधा फायदा

बांदा/ जीएनएस। बुंदेलखंड की रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने वाली खैरार-अकोना दूसरी रेल लाइन ने शुक्रवार को अपनी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा सफलतापूर्वक पार कर ली।

रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) पूर्वोत्तर परिमंडल के प्रणजीव सक्सेना की मौजूदगी में खैरार-अकोना रेलखंड पर निरीक्षण यान का 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल किया गया।

ट्रायल के सफल होने के बाद अब सीआरएस की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। मंजूरी मिलते ही इस रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह उपलब्धि केवल बांदा जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के लिए बड़ी राहत है।

खैरार स्टेशन बांदा जिले में स्थित है, जबकि इचौली और अकोना स्टेशन हमीरपुर जिले में आते हैं। यह रेलखंड झांसी-मानिकपुर एवं खैरार-भीमसेन दोहरीकरण परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भविष्य में बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट और कानपुर की रेल कनेक्टिविटी को नई मजबूती देगा। गुरुवार को शुरू हुए दो दिवसीय वैधानिक निरीक्षण के दौरान सीआरएस ने खैरार स्टेशन, स्टेशन भवन, रिले रूम, इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली, सिग्नलिंग नेटवर्क, ओवरहेड इलेक्ट्रिक उपकरण (ओएचई), ट्रैक्शन व्यवस्था और पुल-पुलियों का बारीकी से परीक्षण किया था।

शुक्रवार को इचौली-अकोना के बीच शेष रेलखंड का निरीक्षण पूरा कर विंडो ट्रेलिंग की गई और इसके बाद 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल कराया गया।

अंतरराज्यीय बुलेट चोर गिरोह का भंडाफोड़, 40 लाख की 14 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत तुकोगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय बुलेट चोर गिरोह के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 40 लाख रुपये मूल्य की 14 चोरी की मोटरसाइकिलें, 12 मास्टर चाबियां, एक फर्जी नंबर प्लेट, हेलमेट और अन्य सामान बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 19 जून की रात तुकोगंज थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति बुलेट मोटरसाइकिल पर पुलिस को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम कन्हैयालाल लाहौर (40) निवासी भवानीमंडी, राजस्थान, हाल मुकाम सुखलिया इंदौर बताया।

जांच के दौरान आरोपी की बुलेट मोटरसाइकिल पर लगी नंबर प्लेट संदिग्ध पाई गई। पुलिस ने ई-रक्षक ऐप के माध्यम से वाहन के इंजन और चेचिस नंबर की जांच की तो पता चला कि वाहन तुकोगंज थाना क्षेत्र से चोरी हुई बुलेट है और उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। इसके बाद आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उसने 56 दुकान क्षेत्र से बुलेट चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपी की निशानदेही पर शहर के विभिन्न स्थानों से 10 बुलेट मोटरसाइकिल और एक हीरो एचएफ डीलक्स बरामद की गई, जबकि दो अन्य चोरी की बुलेट मोटरसाइकिलें आगर मालवा जिले के सोयत कला थाना क्षेत्र से बरामद हुईं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पार्किंग स्थलों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और सुनसान स्थानों पर खड़ी महंगी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबियों की मदद से चुराता था।

पूछताछ में आरोपी ने इंदौर के हीरानगर, विजयनगर, एमजी रोड, संयोगितागंज, खजराना, एरोड्रम और तुकोगंज थाना क्षेत्रों सहित उज्जैन में भी वाहन चोरी की कई वारदातें करना स्वीकार किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में राजस्थान के कोटा सिटी और आगर मालवा जिले के बड़ौद थाने में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12 मास्टर चाबियां, एक जाली नंबर प्लेट, हेलमेट और बैग भी जब्त किया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि उससे वाहन चोरी की कई अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

यह कार्रवाई डीसीपी जोन-3 अभिषेक रंजन, एडिशनल डीसीपी ओमप्रकाश और एसीपी विनोद कुमार दीक्षित के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जितेंद्र चौहान के नेतृत्व में की गई। मामले के खुलासे में तुकोगंज थाना एवं साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यालय में उपलब्धियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के जनविश्वास, जनकल्याण और विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में उनके कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगाईच, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला तथा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी अलग और मजबूत पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र सरकार की प्रत्येक योजना में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसे बहुत कम प्रधानमंत्री हुए हैं जिनके नेतृत्व में देश ने ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए हों। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत परमाणु शक्ति बना, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सैन्य और आर्थिक ताकत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है, जो देश के लिए गर्व का विषय है।

विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने वार्ड और बूथ स्तर से नागरिकों, बुद्धिजीवियों और समाज के विभिन्न वर्गों को इस प्रदर्शनी तक लेकर आएं, ताकि वे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों और भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को करीब से समझ सकें। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भारत की उपलब्धियों और मजबूत राष्ट्र के रूप में उसकी पहचान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रोमांच से भरा सफर और कट्ठीवाड़ा के खास आम, मानसून आते ही यहां बहने लगते हैं झरने

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों आम की चर्चा आम से लेकर खास तक में बनी हुई है। फलों के राजा आम की जब बात होती है तो रत्नागिरि और देवगढ़ के हापुस आम का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यहां के आम अगर अपने स्वाद, सुगंध और रंगत के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं तो मध्य प्रदेश भी कहां पीछे रहने वाला है। प्रदेश में पैदा होने वाला 'नूरजहां' आम अपने आकार, वजन और कीमत में कहीं आगे है। दिलचस्प बात तो यह है कि जहां इस आम की पैदावार होती है वह स्थान पर्यटन के नजरिए से भी बेहतर है। यह वह स्थान है जहां प्रकृति कुछ ज्यादा ही मेहबान है। यहां के आम ही नहीं बल्कि नजारे भी खास हैं और इस स्थान का नाम है कट्ठीवाड़ा।

सर्द मौसम में हिल स्टेशन-मध्य प्रदेश और गुजरात की सीमा पर बसा यह स्थान अपनी विविधता के कारण खासा प्रसिद्ध है। यह एक ऐसा स्थान है जहां हर मौसम में जाया जा सकता है।

गर्मी के मौसम में यदि नूरजहां आम का आकर्षण बढ़ जाता है तो वहीं, बरसात में यहां के झरने सुहावने लगते हैं। सर्द मौसम में तो यह हिल स्टेशन से कम नजर नहीं आता।

शीतल हवा और हरे भरे वन, झरने और बादलों से ढंके पहाड़ों में पर्यटकों का कट्ठीवाड़ा की हरीभरी मनोरम घाटी में जमघट-सा लग जाता है। यहां गुजरात और मालवांचल के पर्यटक बड़ी संख्या में घूमने के लिए आते हैं।

झरना और वन भी है यहां-कट्ठीवाड़ा से मात्र दो किमी की दूरी पर यहां का सबसे प्रसिद्ध झरना है जो अगस्त से नवंबर माह तक पूर्ण सुंदरता के साथ बहता है। यहां जल का बहाव धीरे-धीरे कम होने लगता है लेकिन दिसंबर माह में भी इसकी सुंदरता पर्यटकों का मन मोह लेती है।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर में 35 मंडलों में होंगे योग कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंदौर के 35 मंडलों में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले एवं अभियान नगर संयोजक हरप्रीत सिंह बक्शी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर आयोजन किए जा रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। उनके प्रयासों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में वैश्विक मान्यता मिली और योग विश्वव्यापी जन-आंदोलन बन गया। इसी प्रेरणा से भाजपा प्रत्येक वर्ष योग दिवस को जनसहभागिता के साथ मनाती है।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि शहर के विभिन्न मंडलों में पार्कों, उद्यानों, खेल परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, नागरिक और युवा सहभागिता करेंगे। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का भी माध्यम है।

इधर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार भी 21 जून को इंदौर प्रवास पर रहेंगे। वे गोपुर चौराहे पर आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम में शामिल होने के साथ ही विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक और जनसंपर्क कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उनके कार्यक्रमों में राजवाड़ा स्थित देवी अहिल्याबाई प्रतिमा पर माल्यार्पण, भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता, पिछड़ा वर्ग के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, हितग्राही सम्मेलन, साइकिल रैली तथा विभिन्न समाजों और युवाओं से संवाद शामिल हैं।

वहीं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य भी इंदौर पहुंचेंगे। वे बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्म स्मारक में आयोजित योग कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की इंदौर-निमाड़ संभागीय बैठक को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वे पौधारोपण कार्यक्रम और प्रबुद्धजनों के संवाद कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

कार शोरूम में हुई 2.5 करोड़ की चोरी का 48 घंटे में खुलासा, कर्मचारी निकला मास्टरमाइंड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लसूडिया थाना पुलिस ने शहर के एक प्रमुख कार शोरूम में हुई लगभग 2.5 करोड़ रुपये की चोरी का महज 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि चोरी की इस वारदात को अंजाम देने वाला शोरूम में काम करने वाला कर्मचारी ही निकला, जिसने विश्वास का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये मूल्य के कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस के अनुसार 17 जून 2026 को मारुति कार शोरूम पटेल मोटर्स के ऑपरेशन मैनेजर सुरेंद्र चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि शोरूम के केबिन में रखे एप्पल आईफोन, सोने के आभूषण और चांदी के सिक्के चोरी हो गए हैं। शिकायत के आधार पर लसूडिया थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया। जांच में मिले सुरागों के आधार पर शोरूम में सफाई का कार्य करने वाले कर्मचारी लक्की बोरासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उसने बताया कि शोरूम में कार्यरत रहते हुए उसने अवसर का लाभ उठाकर एप्पल आईफोन चोरी किया तथा मालिक के केबिन में रखे लॉकर से खोडियार माता मंदिर का सोने का छत्र और हीरे जड़ा मुकुट भी चुरा लिया। आरोपी ने महंगे शौक पूरे करने के लिए इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया पूरा मशरूका बरामद कर लिया है। बरामद सामान में लगभग 1 किलो 426 ग्राम वजन का सोने का छत्र एवं हीरे जड़ा मुकुट, 12 चांदी के सिक्के, एक एप्पल आईफोन और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल शामिल है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 19 वर्षीय लक्की बोरासी निवासी बड़ी ग्वालटोली, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड प्राप्त किया है और उससे अन्य संभावित अपराधों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राजकुमार यादव, उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक कमल सिंह रघुवंशी, प्रधान आरक्षक नीरज रघुवंशी तथा साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

NEET-UG परीक्षा को लेकर इंदौर पुलिस अलर्ट, सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं की व्यापक तैयारियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित संचालन को लेकर इंदौर पुलिस ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसी संबंध में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी सहित सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि NEET-UG देश की महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है, जो लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी है। ऐसे में परीक्षा का सफल और निर्विघ्न संचालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

नगरीय क्षेत्र में परीक्षा के लिए 47 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। सभी केंद्रों की निगरानी और समन्वय के लिए प्रत्येक छह परीक्षा केंद्रों पर एक एसीपी स्तर के अधिकारी को नोडल प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संबंधित डीसीपी और एडीसीपी द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा परीक्षा अवधि के दौरान लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर उप निरीक्षक या सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को सुरक्षा प्रभारी बनाया गया है। सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस अधिकारियों को सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक मशीन, जनरेटर, जैमर सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा केंद्रों के आसपास भीड़ नियंत्रण, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी, होटल, लॉज, पीजी और रैन बसेरों की जांच, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था तथा सोशल मीडिया पर अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं की निगरानी के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष यातायात प्रबंधन भी लागू किया जाएगा।

बैठक के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षार्थियों के लिए सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अनुशासित परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पुलिस प्रशासन ने अभ्यर्थियों से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। परीक्षा केंद्र में केवल प्रवेश पत्र, एक पोस्टकार्ड आकार का फोटो, एक पासपोर्ट साइज फोटो और पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की अनुमति होगी। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं परीक्षा केंद्र में ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। NTA के नियमों के उल्लंघन पर संबंधित कार्रवाई की जा सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पित्रेश्वर हनुमान धाम में की पूजा-अर्चना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल के साथ इंदौर के प्रसिद्ध पितृ पर्वत स्थित श्री पित्रेश्वर हनुमान धाम मंदिर पहुंचकर भगवान हनुमान के दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजन सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने भगवान हनुमान की लगभग 72 फीट ऊंची अष्टधातु से निर्मित विशाल एवं भव्य प्रतिमा का अवलोकन भी किया। ध्यानमग्न मुद्रा में स्थापित यह प्रतिमा देश की प्रमुख हनुमान प्रतिमाओं में से एक मानी जाती है और पित्रेश्वर धाम का प्रमुख आकर्षण है।

पितरों की स्मृति में किया त्रिवेणी पौधारोपण- मंदिर दर्शन से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने पितृ पर्वत परिसर में त्रिवेणी (नीम, बरगद एवं पीपल) का पौधारोपण किया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सराहा इंदौर का स्वच्छता मॉडल, बताया देश के लिए प्रेरणादायक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश में स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे इंदौर को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल और नगर निगम द्वारा किए जा रहे नवाचारों की प्रशंसा करते हुए इसे देश के अन्य शहरों के लिए प्रेरणादायक बताया।

शनिवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर को इंदौर के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल और स्वच्छता संबंधी नवाचारों पर आधारित विशेष बुकलेट भेंट की। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता जोड़ी अभियान के अंतर्गत इंदौर और देपालपुर क्षेत्र में संचालित गतिविधियों, कचरा प्रबंधन की आधुनिक व्यवस्था, जनभागीदारी तथा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

प्रस्तुतीकरण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था, नागरिक सहभागिता और लगातार देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में प्राप्त उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो मॉडल विकसित किया है, वह अन्य शहरों के लिए अनुकरणीय है और इससे पूरे देश को सीख लेने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय भी उपस्थित रहे। वहीं नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने स्वच्छता प्रबंधन, कचरा निष्पादन प्रणाली और नगर निगम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की।

बैठक के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर द्वारा अपनाए गए नवाचारों, जनसहभागिता को बढ़ाने के प्रयासों और भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने शहर में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए नगर निगम और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए इस मॉडल को देशभर में अपनाने योग्य बताया।

रैन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं लगाने वाले 69 भवनों पर निगम की कार्रवाई, 1.96 लाख का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और भूजल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम इंदौर द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा जल संचयन (रैन वाटर हार्वेस्टिंग) व्यवस्था नहीं करने वाले भवन स्वामियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। निगम ने 69 भवनों पर कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 96 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है।

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के संबंध में अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह ने बताया कि नगर पालिक निगम (वर्षा जल संचयन) उपविधियां-2022 के तहत पात्र भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करना अनिवार्य है। इस संबंध में संबंधित भवन स्वामियों को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा में व्यवस्था नहीं किए जाने पर निगम ने दंडात्मक कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित नहीं करने वाले 69 भवनों के विरुद्ध कार्रवाई कर कुल 1.96 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही संबंधित भवन मालिकों को शीघ्र रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा ने नीट परीक्षा की तैयारियों का लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा 21 जून (रविवार) को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के दृष्टिगत सांवेर क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सांवेर श्री देवेन्द्र सिंह धुर्वे, थाना प्रभारी सांवेर निरीक्षक श्री गिरिजाशंकर महोबिया सहित पुलिस बल उपस्थित रहा।

पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों, प्रवेश एवं निकास व्यवस्थाओं, अभ्यर्थियों की चैकिंग व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, पुलिस बल की तैनाती तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंदौर रचेगा इतिहास, 10 हजार योग साधक बनाएंगे विश्व कीर्तिमान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार, 21 जून को इंदौर में योग मित्र अभियान के तहत भव्य आयोजन किया जाएगा। नगर निगम इंदौर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक योग साधक सामूहिक रूप से भ्रामरी प्राणायाम कर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने का प्रयास करेंगे। आयोजन गोपुर चौराहा पर प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक होगा।

कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उइके, प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय तथा महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है। कार्यक्रम की शुरुआत इंदौर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा योगासनों की आकर्षक और भक्तिमय प्रस्तुतियों से होगी। इसके बाद सुबह 7 बजे देशभर में निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। योग सत्र का संचालन प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक राकेश चौधरी और मिसेज इंडिया 2023 चेतना जोशी करेंगी।

आयोजन का मुख्य आकर्षण सामूहिक भ्रामरी प्राणायाम होगा, जिसमें 10 हजार से अधिक लोग एक साथ भाग लेकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। इस ऐतिहासिक पहल में शहर की 70 से अधिक योग संस्थाएं, खेल संगठन, 150 से अधिक सामाजिक संस्थाएं तथा विभिन्न वर्गों के हजारों नागरिक शामिल होंगे।

कार्यक्रम के दौरान योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ योग गुरुओं, योग खिलाड़ियों और योग प्रचारकों को योग अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही योग मित्र अभियान की आधिकारिक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस वेबसाइट के माध्यम से शहर की सभी योगशालाओं और योग गतिविधियों की जानकारी नागरिकों को एक ही मंच पर उपलब्ध होगी।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल योग को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा, बल्कि इंदौर को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने का अवसर भी प्रदान करेगा।

इकलौते बेटे के अग्निवीर बनने की खुशी एक दिन भी नहीं टिक सकी, ज्वाइनिंग के लिए रवाना होते ही पिता ने लगा ली फांसी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम नापाखेड़ा में जिस घर में एक दिन पहले इकलौते बेटे के अग्निवीर में चयन होने की खुशी में आतिशबाजी हो रही थी, मिठाइयां बांटी जा रही थीं और परिजन बेटे के उज्ज्वल भविष्य के सपने संजो रहे थे, उसी घर में अगले ही दिन मातम पसर गया। बेटे के सेना में जाने की खुशी और उससे बिछड़ने के दर्द के बीच एक पिता ऐसा टूट गया कि उसने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय बापूलाल पिता नारायण धनगर निवासी नापाखेड़ा का शव शनिवार सुबह करीब 8 बजे उनके ही घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने जब उन्हें इस हालत में देखा तो घर में कोहराम मच गया। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर नारायणगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार बापूलाल एक साधारण किसान थे और अपने परिवार से बेहद लगाव रखते थे। उनका इकलौता पुत्र कुलदीप धनगर हाल ही में अग्निवीर योजना के तहत सेना में चयनित हुआ था। बेटे के चयन से परिवार में खुशी का माहौल था। एक दिन पूर्व ही परिजनों और ग्रामीणों ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई थी। बापूलाल भी बेटे की सफलता से प्रसन्न थे, लेकिन भीतर ही भीतर बेटे के घर से दूर जाने और सेना जैसी चुनौतीपूर्ण सेवा में जाने को लेकर चिंतित बताए जा रहे थे। शुक्रवार शाम कुलदीप अपनी ज्वाइनिंग के लिए महू रवाना हुआ था। परिजनों के अनुसार बेटे को विदा करते समय बापूलाल काफी भावुक हो गए थे। किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि यह विदाई पिता-पुत्र की अंतिम मुलाकात साबित होगी।

बेटे के रवाना होने के कुछ ही घंटों बाद बापूलाल ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि जिस कुलदीप ने देशसेवा का सपना लेकर महू के लिए प्रस्थान किया था, उसे ज्वाइनिंग स्थल पहुंचने के बाद पिता की मौत की सूचना मिली। यह खबर मिलते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई और वह तत्काल वापस अपने गांव के लिए रवाना हो गया। इस दुखद घटना ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि कई बार खुशी के पीछे छिपी भावनात्मक पीड़ा और मानसिक तनाव को समझ पाना आसान नहीं होता। एक ओर बेटा देशसेवा के लिए कदम बढ़ा रहा था, तो दूसरी ओर उससे बिछड़ने का दर्द पिता सहन नहीं कर पाए। गांव में हर किसी की जुबान पर यही चर्चा है कि जिस घर में एक दिन पहले खुशियों के पटाखे गूंज रहे थे, वहां अगले ही दिन मातम की सिसकियां सुनाई देने लगीं। नारायणगढ़ थाना प्रभारी राजेन्द्र पंवार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बापूलाल का इकलौता बेटा कुलदीप था और वे नहीं चाहते थे कि वह सेना में जाए। बेटे के सेना में जाने को लेकर वे मानसिक रूप से काफी परेशान और तनावग्रस्त थे। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

स्थानांतरण पर डॉ. हर्षिता टटावत को नर्सिंग स्टाफ ने दी भावभीनी विदाई

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को सिविल अस्पताल में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्षिता टटावत का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर (जिला उज्जैन) स्थानांतरण होने पर सिविल अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ द्वारा भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में डॉ. हर्षिता का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया तथा उनके कार्यकाल के दौरान दी गई स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की गई। इस अवसर पर नर्सिंग स्टाफ ने कहा कि डॉ. हर्षिता ने अपने कार्यकाल में मरीजों के उपचार के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके व्यवहार, कार्यशैली और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सभी ने प्रशंसा की। विदाई समारोह में उपस्थित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने डॉ. हर्षिता के उज्ज्वल भविष्य और नई पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डॉ. हर्षिता टटावत ने भी सिविल अस्पताल परिवार के सहयोग, स्नेह और विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुसनेर में बिताया गया समय उनके जीवन की सुखद यादों में हमेशा शामिल रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रही।

रठाना में मंदिर में चोरी करने वाले चार बदमाश पकड़े गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना अंतर्गत ग्राम रठाना में मंदिर का चेनल गेट काट कर दानपेटी से चढ़ोत्री आदि चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा थाना पुलिस ने शनिवार को किया है। मामले में चार आरोपी पकड़े गए हैं, जिनसे अन्य अपराधों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 25-26 मई की दरमियानी रात्रि में ग्राम रठाना में शातिर बदमाशों ने गांव के बालाजी मंदिर में चेनल गेट को काटा व बाद में मंदिर में घुसकर दानपेटी को खोलकर उसमें रखे चढ़ोत्री के रुपए चोरी कर लिए थे। सूचना पर अफजलपुर पुसिल ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की छानबीन शुरू की थी।

मामले में अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के नेतृत्व में दो विशेष टीम का गठन करते हुए सायबर सेल व 50 से अधिक सीसीटीवी केमरे खंगाले गए । फूटेज के आधार पर एक संदेही युवक रोहित से सघनता से पूछताछ की गई। उसने अपराध कबूला व अन्य साथियों के नाम भी बताए।

आरोपी रोहित से चोरी गया मशरूका 20 हजार रुपए व घटना में प्रयुक्त अपाची बाईक बरामद की गई है। आरोपी रणजीत से एक लोहे का कटर जब्त किया गया। प्रकरण में आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने रोहित पिता प्रहलाद 26 वर्ष निवासी पामाखेड़ा थाना मल्हारगढ़ एवं रणजीत पिता कंवरलाल 25 वर्ष एवं पवन पिता भरतलाल 20 वर्ष, अनिल पिता भरतलाल 21 वर्ष तीनों निवासी गुराड़ियालाल मुंहा थाना दलौदा को गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस जनों ने बढ़े हुए मंडी टैक्स को लेकर व्यापारियों से की चर्चा

मंडी शुल्क में 50 प्रतिशत की वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए-निर्विकार रातड़िया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा कृषि उपज मंडियों में मंडी शुल्क (मंडी टैक्स) को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत किए जाने के निर्णय के विरोध में 19 जून शुक्रवार को उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने मंदसौर कृषि उपज मंडी पहुंचकर किसानों और व्यापारियों के साथ चर्चा की सभी ने शासन से बढ़ी हुई दर वापस लेने की मांग की। शुक्रवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष उद्योग एवं व्यापार निर्विकार रातड़िया, संगठन मंत्री अजय लोढ़ा आदि ने मंडी परिसर में पहुंचकर व्यापारियो से बढ़े हुए टैक्स के बारे में चर्चा की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र गुर्जर ने कहा कि आर्थिक अनियमितताओं के चलते व्यापारी वर्ग पहले से ही परेशान है ऐसे में मंडी टैक्ट बढ़ाने का निर्णय मप्र शासन का व्यापारी विरोध इसे तुरंत वापस लेना चाहिए।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ निर्विकार रातड़िया ने कहा कि शुल्क में 50 प्रतिशत की वृद्धि से कृषि उपज के व्यापार पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। इसका सीधा असर किसानों और व्यापारियों दोनों पर होगा। वर्तमान में कृषि क्षेत्र पहले से ही बढ़ती उत्पादन लागत, परिवहन खर्च और बाजार की अनिश्चितताओं जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में मंडी शुल्क बढ़ाने का निर्णय कृषि व्यापार को प्रभावित करेगा। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने में भी कठिनाई हो सकती है। मेरा मप्र शासन से मांग है कि मंडी शुल्क को पूर्ववत 1 प्रतिशत बनाए रखने तथा बढ़ोतरी संबंधी निर्णय को तत्काल निरस्त करे। इस अवसर पर दशपुर मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष मनोज जैन पप्पू भाई, पूर्व मंडी अध्यक्ष राजेन्द्र नाहर, मंडी कोषाध्यक्ष अनिल मित्तल, दिनेश कल्याणी, हेमंत हीगड, सुनिल गुप्ता, दाउभाई विजयवर्गीय, अरविन्द बोथरा, राजेन्द्र पारख, जितेन्द्र पोरवाल, अभिषेक जैन, बंटी कुमावत, धन्नालाल कटारिया, मनीष कटारिया, संदीप जैन सहित किसान, व्यापारी मौजूद रहे।

सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों की चोरी, नकदी सहित घरेलू सामान ले गए चोर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया थाना क्षेत्र के ग्राम खखरई में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी, आभूषण तथा घरेलू उपयोग का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खखरई निवासी अंजनाकुंवर पति स्वर्गीय गोविन्दसिंह देवड़ा ने 20 जून को पिपलिया थाने पर आवेदन देकर बताया कि वह 16 जून को अपने मायके ग्राम भुवासिया में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। इस दौरान उनका घर बंद था और वहां कोई मौजूद नहीं था। सुबह करीब 6.30 बजे उनके रिश्तेदार प्रताप सिंह का फोन आया, जिन्होंने बताया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। साथ ही उन्होंने डायल-112 पर भी सूचना दी। सूचना मिलने पर अंजना कुंवर तत्काल अपने घर पहुंचीं। घर के अंदर जाकर देखा तो कमरों का सामान बिखरा पड़ा था तथा घर में रखी ज्वेलरी, करीब 65 हजार रुपये नकद, एलईडी टीवी, कूलर, फ्रिज, गैस चूल्हा और गैस सिलेंडर सहित अन्य सामान गायब था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोरों ने घर में रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

जनभावनाओं के अनुरूप है समान नागरिक संहिता - श्री सखलेचा

UCC से सामाजिक समरसता एवं एकता का भाव जागृत होगा-श्री परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय नीमच के टाउन हॉल नीमच में शनिवार को जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एवं एसपी श्री राजेश व्यास की उपस्थिति में जिला प्रशासन द्वारा समान नागरिक संहिता के सम्बंध में आमजनों के सुझाव प्राप्त करने के लिए वृहद परिचर्चा आयोजित की गई।

इस परिचर्चा को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा, कि समान नागरिक संहिता के संबंध में प्राप्त सभी सुझाव काफी महत्वपूर्ण है। सभी लोग ऑनलाईन सुझाव भी दे। विधायक श्री सखलेचा ने कहा, कि प्रदेश सरकार द्वारा जन भावनाओं के अनुरूप समान नागरिक संहिता बिल लाने का प्रयास किया जा रहा है। श्री सखलेचा ने कहा, कि जनभावनाओं के अनुरूप समान नागरिक संहिता बिल में हमारी संस्कृति और संस्कारों पर भी फोकस किया जाना चाहिए।

विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार ने समान नागरिक संहिता बिल का समर्थन करते हुए कहा, कि इससे सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित होगा और समाज में एकता का भाव जागृत होगा। श्री परिहार ने कहा, कि लैगिक आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। इस संहिता के माध्यम से महिला एवं पुरूषों को भी समान अधिकार मिलेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में अधिकांश उपस्थितजनों ने समान नागरिक संहिता के समर्थन में अपने सुझाव देते हुए इसे देश हित समाज हित एवं नागरिक अधिकारो का हित संरक्षण करने वाला बिल बताया।

इस परिचर्चा में भाग लेते हुए पार्षद श्री राकेश किलोरिया ने समान नागरिक संहिता कानून को देश हित में बताते हए देश की संसद से बनाने का सुझाव दिया।

सिंधी समाज के श्री नन्दलाल मालानी रोटरी क्लब के श्री दर्शनसिह गांधी, पूर्व पार्षद श्री बाबूलाल नागदा, श्री शशी कुमार कल्याणी, श्री लक्ष्मीनारायण जोशी, श्री जगदीश शर्मा, श्री शंकर सिह डोडिया, श्री मुफ्ती मोहम्मद सिद्दीकी, श्री पंकज मालवीय, श्री प्रेमचंद्र कलोसिया आदि ने भी अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

परिचर्चा में उपस्थित अधिकांश जनों ने समान नागरिक संहिता के संबंध में अपने-अपने सुझाव ऑनलाईन भी दर्ज करवाए।

प्रांरभ में अतिथियों ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एडीएम श्री बी.एस.कलेश, डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव साहू, श्री चंद्र सिह धार्वे, सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया आदि ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो.संजय जोशी ने किया तथा श्री संजीव साहू ने आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर श्री हेमंत हरित, श्री नीलेश पाटीदार, श्री राज कुमार अहीर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, विभिन्न समाजों के प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं, पुरूष एवं युवा, छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

सुसनेर में गीता भवन निर्माण की तैयारियां तेज, जनप्रतिनिधियों ने किया स्थल निरीक्षण

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय ज्ञान-परंपरा, अध्यात्म, दर्शन और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण एवं प्रसार के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन निर्माण की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सुसनेर नगर में प्रस्तावित गीता भवन निर्माण स्थल का शनिवार को जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर निर्माण कार्य की तैयारियों का जायजा लिया।

नगर के एनआरएलएम भवन के पीछे प्रस्तावित गीता भवन स्थल पर पहुंचे नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने अधिकारियों के साथ निर्माण संबंधी व्यवस्थाओं और भूमि की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समय-सीमा में भवन का निर्माण प्रारंभ हो सके। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया एवं भाजपा महामंत्री लखन सेन भी मौजूद रहे। वहीं नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) हरिओम शर्मा तथा हल्का पटवारी मोहित नागर ने स्थल से संबंधित तकनीकी एवं राजस्व जानकारी से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया।

अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कहा कि गीता भवन केवल एक भवन नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, नैतिक मूल्यों और सनातन ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। यहां धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा सकेगा जिससे नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और श्रीमद्भगवद्गीता के जीवनोपयोगी संदेशों से जोड़ने में मदद मिलेगी। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की रूपरेखा, स्थल की उपयोगिता तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। नगरवासियों ने भी गीता भवन निर्माण को सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसका स्वागत किया।

गांधीसागर में पिकअप वाहन पलटने से बालक की मृत्यु, 8 महिला समेत 9 घायल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा तहसील क्षेत्र के गांधीसागर नंबर 1 हिंगलाजगढ़ रिसोर्ट के समीप भानपुरा गांधीसागर मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर लगभग 3.30 बजे एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें जनपद पंचायत भानपुरा क्षेत्र के गांव लेदी खुर्द निवासी विशाल उम्र 13 वर्ष पिता उमेश जाति भांड की दबने से मौके पर ही मृत्यु हो गई। साथ ही पिकअप वाहन में सवार 8 महिलाएं जिनमें नंदाबाई, संजू, निशा, ममता, संतोष, सुनीता, ज्योति, एवं रेखा बाई एवं युवक विकास सभी निवासी लेदी खुर्द घायल हो गए। घायलों में नंदाबाई के सिर में चोट लगी है, बाकी की हालत सामान्य बताई गई है।

सरपंच से मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, निकाला पैदल जुलूस

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ जनपद की बही पार्श्वनाथ ग्राम पंचायत के सरपंच मनमोहन उर्फ लाला पाराशर के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान यशपाल पिता मोहनसिंह राजपूत निवासी थड़ोद एवं किशोरसिंह पिता मोखमसिंह राजपूत के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों का नगर में पैदल जुलूस निकाला। यह जुलूस घटनास्थल सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। दोनों धारा 151 के तहत भी गिरफ्तार कर तहसील न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेजने के आदेश जारी किए गए। थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण पैदा करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है।

यह था मामला-

जानकारी के अनुसार 14 जून 2026 को रात करीब 10.30 बजे बही पार्श्वनाथ ग्राम पंचायत के सरपंच मनमोहन उर्फ लाला पाराशर अपने गांव के कमल नामक युवक के साथ मोटरसाइकिल से बही फंटे की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक ट्रक चालक के साथ कुछ लोग बेरहमी से मारपीट कर रहे हैं। बताया गया कि कार में सवार चार व्यक्ति एवं बाइक पर आए दो लोग ट्रक चालक के साथ मारपीट कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरपंच मनमोहन पाराशर ने मानवता के नाते हस्तक्षेप करते हुए आरोपियों से मारपीट का कारण पूछा। सरपंच का हस्तक्षेप हमलावरों को नागवार गुजरा और उन्होंने सरपंच के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। हमले में सरपंच के हाथ में गंभीर चोट आई, जबकि ट्रक चालक भी बुरी तरह घायल हो गया था। घायल सरपंच को तत्काल उपचार के लिए मंदसौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी नही होने पर लोगों ने शीघ्र आन्दोलन की चेतावनी भी दी थी।

आदिवासियों को वनवासी कहना बंद करो-जयस ने फूंका गृहमंत्री का पुतला, पैदल मार्च निकाल जताया विरोध

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आदिवासी समाज की अस्मिता, संवैधानिक अधिकारों और पहचान को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन ने मन्दसौर में एक प्रदर्शन किया। जयस के उज्जैन संभाग अध्यक्ष संजय खराड़ी के नेतृत्व में जुटे अनेकों आदिवासियों, वरिष्ठ समाजसेवियों और मातृशक्ति ने देश के गृहमंत्री अमित शाह के बयान और आदिवासियों के प्रति बढ़ती अत्याचार की घटनाओं के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। राणा पूंजा भील चौराहे पर नामकरण और पैदल मार्च आंदोलन की शुरुआत की वीर योद्धा राणा पूंजा भील चौराहा पर आधिकारिक साइन बोर्ड लगाकर नामकरण करने के साथ हुई। इसके तुरंत बाद, पारंपरिक पीले झंडों और बैनरों से लैस समाज के आक्रोशित युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने जयस संगठन के बैनर तले एक विशाल पैदल मार्च निकाला। यह आक्रोश मार्च राणा पूंजा भील चौराहे से शुरू होकर मन्दसौर के प्रमुख गांधी चौराहे तक पहुंचा।

पैदल मार्च के दौरान पूरा मार्ग आदिवासियों को वनवासी कहना बंद करो आदिवासियों पर अत्याचार बंद करो और गृह मंत्री मुर्दाबाद के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। गांधी चौराहा पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया।

जयस के उज्जैन संभाग अध्यक्ष संजय खराड़ी ने कहा कि भारत के पवित्र संविधान के भीतर कहीं भी वनवासी शब्द का उल्लेख नहीं है। देश के गृहमंत्री अमित शाह को इस तरह के शब्दों का प्रयोग करते हुए शर्म आनी चाहिए। वह जानबूझकर हमारे इतिहास और पहचान को कमतर आंकने के लिए देश के मूल मालिकों (मूल निवासियों) को वनवासी कह रहे हैं। आदिवासी समाज इस अपमानजनक मानसिकता को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हम इसका पूर्ण विरोध करते हैं और अपनी पहचान की लड़ाई आगे भी पुरजोर तरीके से लड़ते रहेंगे। आदिवासी अस्मिता की लड़ाई होगी और तेज इस विरोध प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि आदिवासी समाज अपनी संवैधानिक पहचान से किसी भी प्रकार का समझौता करने के मूड में नहीं है। जयस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि आदिवासियों को वनवासी कहकर मूल पहचान मिटाने की साजिशें बंद नहीं हुई और समाज पर हो रहे अत्याचारों पर लगाम नहीं कसी गई, तो यह आंदोलन पूरे प्रदेश और देश स्तर पर उग्र रूप धारण करेगा।

सुवासरा में शिवसेना की हुंकार, अवैध शराब पर कार्रवाई नहीं हुई तो 7 दिन बाद चक्काजाम की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर में शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान जय भवानी, जय शिवाजी के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। शिवसैनिकों ने हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे एवं धर्मवीर आनंद दिघे साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के पुर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व तथा युवा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वेश प्रताप सरनायक एवं राष्ट्रीय सचिव किरण दादा साली के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिवसैनिक और नागरिक शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर माल्यार्पण कर समाज सेवा, जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

स्थापना दिवस समारोह के बाद शिवसेना ने क्षेत्र में बढ़ रही अवैध शराब बिक्री के मुद्दे को लेकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शिवसेना युवा सेना, महिला मंडल एवं नगरवासियों ने तहसीलदार के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने तथा नवीन बस स्टैंड के समीप संचालित शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की।

युवा कांग्रेस नेता कुलदीप सेन बराड़ा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

कांग्रेस संगठन ने कुलदीप सेन बराड़ा पर जताया भरोसा, बने प्रदेश सचिव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले व वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद सेन सिरोज एंव प्रदेश संगठन मंत्री लखन सेन की सहमति से केश कला शिल्पी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू श्रीवास ग्वालियर द्वारा मध्यप्रदेश कांग्रेस के केश शिल्पी प्रकोष्ठ में युवा कांग्रेस नेता एवं गांधीवादी विचारक कुलदीप सेन बराड़ा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सेन समाज में हर्ष का माहौल है।

कुलदीप सेन लंबे समय से कांग्रेस संगठन, युवा कांग्रेस तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संगठन से जोड़ने, समाज सेवा, जनहित के मुद्दों को उठाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। उनकी सक्रियता एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है।

नियुक्ति के बाद कुलदीप सेन ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि केश शिल्पी प्रकोष्ठ को प्रदेशभर में मजबूत बनाने, संगठन विस्तार करने तथा युवाओं और समाज के हितों के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

कुलदीप सेन की नियुक्ति पर कांग्रेस नेताओं, सामाजिक संगठनों, युवा कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में केश शिल्पी प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

बधाई देने वालों में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, सेन समाज के वरिष्ठजन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

सम्पादकीय

भारतीय दर्शनशास्त्र का अद्भुत उपहार योग

योग स्वयं के माध्यम से आत्मा की यात्रा मार्ग हैद्य अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत शिक्षा योग भी हैद्य योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द %युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे-धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है।

निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है।

योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग-अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग-अलग तरीके तथा अलग-अलग फायदे हैं।

कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है।

योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया।

ध्यान द्वारा योग की पूर्णता सिखाता है सहज योग

योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर है। आज विश्वभर में योग को स्वास्थ्य, संतुलन और सुखमय जीवन के लिए अपनाया जा रहा है। किंतु योग का वास्तविक अर्थ केवल शारीरिक व्यायाम, आसन या प्राणायाम तक सीमित नहीं है। संस्कृत में ÷योग÷ का अर्थ है ङ्क जुड़ना। अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप, आत्मा से जुड़ना तथा परमात्मा की सर्वव्यापी दिव्य शक्ति के साथ एकत्व स्थापित करना। शरीर, मन और बुद्धि को संतुलित करने के पश्चात योग की पूर्णता आत्मसाक्षात्कार में प्राप्त होती है। यही योग का अंतिम एवं सर्वोच्च लक्ष्य है। सहज योग ध्यान इसी आत्मसाक्षात्कार का एक सरल, सहज और अनुभवात्मक मार्ग है। इसकी स्थापना परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी ने 5 मई 1970 को की थी। सहज योग में प्रत्येक व्यक्ति के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया जाता है। कुंडलिनी के जागृत होने पर साधक के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में संतुलन स्थापित होता है और वह विचारशून्य जागरूकता की अवस्था का अनुभव करता है। यह ऐसी स्थिति है जिसमें मन अनावश्यक विचारों से मुक्त होकर वर्तमान क्षण में स्थित हो जाता है तथा भीतर गहन शांति, आनंद और संतोष का अनुभव होता है।

सहज योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि आत्मसाक्षात्कार कोई कठिन साधना, तपस्या या त्याग का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। इसे किसी भी आयु, धर्म, जाति, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि का व्यक्ति सहजता से प्राप्त कर सकता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर के सूक्ष्म तंत्र को शुद्ध एवं संतुलित कर सकता है, जिससे उसके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं।

आज के तेज़ गति वाले, प्रतिस्पर्धी एवं तनावपूर्ण जीवन में मानसिक अशांति, चिंता, अवसाद, क्रोध तथा असंतुलित जीवनशैली जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में सहज योग ध्यान मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता, एकाग्रता तथा आंतरिक आनंद प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में बेहतर एकाग्रता प्राप्त कर सकते हैं, युवा तनावमुक्त होकर अपने लक्ष्य पर केंद्रित रह सकते हैं, गृहस्थ जीवन में सामंजस्य बढ़ा सकते हैं तथा वरिष्ठ नागरिक आंतरिक शांति एवं संतोष का अनुभव कर सकते हैं।

सहज योग का लाभ केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता। जब परिवार के सदस्य प्रतिदिन कुछ समय सामूहिक ध्यान करते हैं, तो परिवार में प्रेम, सम्मान, संवाद और सामंजस्य की भावना विकसित होती है। ध्यान के माध्यम से परिवार का वातावरण अधिक शांत, सकारात्मक और आनंदमय बनता है। इस प्रकार सहज योग व्यक्तिगत उत्थान के साथ-साथ सामाजिक एवं पारिवारिक समरसता को भी प्रोत्साहित करता है।

वर्तमान समय में विश्व के 100 से अधिक देशों में लाखों लोग सहज योग का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों, चिकित्सा संस्थानों और वैज्ञानिक शोधों में भी सहज योग ध्यान के मानसिक एवं शारीरिक लाभों का अध्ययन किया गया है, जिनमें तनाव में कमी, मानसिक शांति, बेहतर एकाग्रता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार जैसे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे योग के वास्तविक एवं गहन स्वरूप को समझने का प्रयास करें। योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का साधन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और आंतरिक परिवर्तन का मार्ग है। सहज योग ध्यान के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर स्थित शांति, प्रेम और आनंद के स्रोत को अनुभव कर सकता है तथा एक संतुलित एवं सार्थक जीवन की ओर अग्रसर हो सकता है।

माता-पिता जागें तो पीढ़ी चमकेः नया सत्र, नया दायित्व-पत्र

हर नए सत्र के साथ बच्चों के हाथों में किताबें आती हैं, लेकिन इस बार जिम्मेदारियों की एक नई पुस्तक माता-पिता के सामने भी खुल रही है। वर्षों तक शिक्षा को विद्यालय की सीमा में बांधकर देखा गया, जबकि अभिभावकों की भूमिका फीस और परिणाम तक सिमट गई। नई शिक्षा व्यवस्था ने यह दृष्टिकोण बदल दिया है। अब शिक्षा का केंद्र केवल कक्षा नहीं, घर भी है। माता-पिता दर्शक नहीं, बच्चे के भविष्य के शिल्पकार हैं। प्रश्न यह नहीं कि बच्चा क्या सीख रहा है, बल्कि यह है कि उसके निर्माण में परिवार कितना सहभागी है। 2026 का शिक्षा सत्र ऐसे दस महत्वपूर्ण दायित्वों की याद दिलाता है, जिनके बिना किसी भी पीढ़ी का भविष्य सशक्त नहीं बन सकता।

पहला कर्तव्य- बच्चे को समझे बिना उसका भविष्य नहीं गढ़ा जा सकता। हर बच्चा अंकों का जोड़ नहीं, संभावनाओं का संसार है। उसकी जिज्ञासा, कल्पना और सपने ही उसकी पहचान हैं। विडंबना है कि आज कई अभिभावक केवल परिणाम देखते हैं। स्क्रीनों के दौर में माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चे को खेल, पुस्तकों और प्रकृति से जोड़ें। यह काम परिवार ही कर सकता है। बच्चे की प्रतिभा पहचानने वाले माता-पिता ही उसके भविष्य के शिल्पकार बनते हैं।

दूसरा कर्तव्य- विद्यालय की दिशा तय करने में अभिभावकों की आवाज़ महत्वपूर्ण है। विद्यालय प्रबंधन समिति में 75 प्रतिशत भागीदारी केवल नियम नहीं, जिम्मेदारी है। बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की जवाबदेही में उनकी भूमिका आवश्यक है। यदि वे मौन रहेंगे, तो बदलाव की उम्मीद कमजोर पड़ेगी। शिक्षा अभिभावकों की सहभागिता से आकार लेती है। आज की निष्क्रियता, भविष्य की उपेक्षा है।

तीसरा कर्तव्य- बच्चे की पहली कक्षा घर से शुरू होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का 5+3+3+4 ढांचा बताता है कि शिक्षा की नींव शुरुआती वर्षों में घर पर पड़ती है। कहानियां, प्रश्न पूछने की आज़ादी, असफलता स्वीकारने का साहस और सीखने का आनंद–ये पाठ कोई पाठ्यपुस्तक नहीं सिखा सकती। संवादपूर्ण घर बच्चों को केवल जानकारी नहीं, समझ देता है। शिक्षा का पहला पाठ मां की गोद और पिता के आचरण से शुरू होता है।

चौथा कर्तव्य- बच्चे को सबसे अधिक जरूरत समझे जाने की होती है। आज का बच्चा सुविधाओं के बीच भी अकेलेपन से जूझ रहा है। उसके भीतर डर, असुरक्षाएं और अनकहे सवाल हैं। इसलिए माता-पिता को केवल समझाने वाला नहीं, सुनने वाला बनना होगा। बच्चे की चुप्पी, गुस्से और सपनों को समझना ही सच्चा अभिभावकत्व है। जिस घर में विश्वास होता है, वहां बच्चे बड़ी चुनौतियों का सामना भी आत्मविश्वास से करते हैं। भावनात्मक सुरक्षा हर उपलब्धि की नींव है।

पांचवां कर्तव्य -बच्चे के विकास की नींव घर और विद्यालय की एकजुटता है। शिक्षक और अभिभावक एक ही लक्ष्य के साझेदार हैं। नियमित संवाद, ईमानदार प्रतिक्रिया और परस्पर सम्मान से शिक्षा सार्थक बनती है। घर का छोटा व्यवहारिक बदलाव भी शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। जब घर और विद्यालय साथ चलते हैं, तभी बच्चे का विकास तेज़ होता है। शिक्षा में प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग सबसे प्रभावी सूत्र है।

छठा कर्तव्य - बच्चे की सबसे बड़ी विरासत संस्कार हैं। ज्ञान पुस्तकें दे सकती हैं, पर चरित्र का निर्माण परिवार ही करता है। ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति, परिश्रम और नैतिक साहस पाठ्यक्रम नहीं, घर के वातावरण की देन हैं। यदि माता-पिता केवल करियर पर ध्यान देंगे और चरित्र को भूल जाएंगे, तो समाज डिग्रीधारियों से भर जाएगा, जिम्मेदार नागरिकों से नहीं। राष्ट्र का भविष्य पाठ्यक्रम नहीं, संस्कार तय करते हैं।

सातवां कर्तव्य- स्वस्थ बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, नियमित खेलकूद और स्क्रीन-मुक्त समय अब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। थका शरीर और तनावग्रस्त मन कभी श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता। जब मानसिक स्वास्थ्य वैश्विक चुनौती बन चुका है, तब माता-पिता की सजगता सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। स्वस्थ शरीर और संतुलित मन ही शिक्षा की मजबूत नींव हैं।

आठवां कर्तव्य- बदलते समय के साथ अभिभावकों का सीखते रहना जरूरी है। नई शिक्षा नीति, बदलते पाठ्यक्रम, तकनीकी बदलाव और डिजिटल चुनौतियों को समझे बिना सही मार्गदर्शन संभव नहीं। जो अभिभावक सीखना छोड़ देते हैं, वे बच्चों की दुनिया से दूर हो जाते हैं। बच्चे को आगे बढ़ाने का सरल उपाय है–स्वयं भी सीखते रहना। शिक्षित अभिभावक ही समय की दिशा पहचान पाते हैं।

नवां कर्तव्य- बच्चों को दबाव नहीं, भरोसे की जरूरत है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उन्हें आलोचक नहीं, सहारा चाहिए। तुलना, अपेक्षाएं और दबाव अनेक प्रतिभाओं को समय से पहले तोड़ देते हैं। माता-पिता को असफलताओं को भी सफलताओं जितनी सहजता से स्वीकार करना चाहिए। अपने सपनों का बोझ बच्चे पर डालना प्रेम नहीं, अन्याय है। उसे अपनी राह चुनने की स्वतंत्रता देना ही सच्चा समर्थन है।

दसवां कर्तव्य- बच्चे के साथ निरंतर खड़े रहना ही सच्ची अभिभावकता है। शिक्षा किसी सत्र, कक्षा या परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। माता-पिता का साथ केवल परिणामों तक नहीं होना चाहिए। संघर्ष, सफलता, भ्रम और उपलब्धि–हर मोड़ पर उनका सहयोग जरूरी है। यही निरंतरता विश्वास जगाती है, और वही विश्वास बच्चे को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है।

नया शिक्षा सत्र केवल शैक्षणिक कैलेंडर का नया पृष्ठ नहीं, बल्कि माता-पिता का दायित्व-पत्र है। आने वाली पीढ़ी का निर्माण केवल स्कूलों में नहीं, घरों में भी होगा। समय का संदेश स्पष्ट है–जागिए, भागीदारी कीजिए, मार्गदर्शक बनिए और अपने इन दस कर्तव्यों का निर्वहन कीजिए। क्योंकि भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कक्षा घर में लगती है, और उसके प्रथम शिक्षक माता-पिता होते हैं।

-प्रो. आरके जैन

फेड चीफ के सख्त रुख और ब्याज दर बढ़ने के डर से सहमा ग्लोबल मार्केट

इस सप्ताह केविन वॉर्श के नेतृत्व में हुई पहली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रीय बैंक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कामकाज में महत्त्वपूर्ण बदलावों की नींव रखी। एफओएमसी ने फेडरल फंड दरों का लक्ष्य दायरा 3.5 से 3.75 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा, लेकिन लगभग 130 शब्दों का उसका वक्तव्य सामान्य से काफी छोटा था और इसमें भविष्य के लिए कोई अनुमान नहीं दिया गया।

हालांकि, वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा गया कि मुद्रास्फीति दर फेड के 2 फीसदी के लक्ष्य की तुलना में अभी भी अधिक है और समिति मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करेगी। मौजूदा परिस्थितियों और उच्च मुद्रास्फीति दर को देखते हुए वित्तीय बाजारों को कुछ सख्त रुख की उम्मीद जरूर थी, लेकिन वक्तव्य उम्मीदों से कहीं अधिक सख्त साबित हुआ। बयान के बाद शेयर और बॉन्ड दोनों बाजारों में गिरावट आई। फेडरल रिजर्व ने अपने आर्थिक अनुमान या तथाक?थित डॉट प्लॉट भी जारी किए, जिनमें फेडरल रिजर्व बोर्ड के सदस्यों और फेडरल रिजर्व बैंक के अध्यक्षों के अनुमान शामिल हैं। इससे पता चला कि 18 में से नौ सदस्यों को उम्मीद है कि इस साल नीतिगत दर में कम से कम 25 आधार अंक की वृद्धि होगी। गौरतलब है कि वॉर्श ने अपने अनुमान प्रस्तुत नहीं किए। वर्तमान संरचना के अनुसार नीतिगत दर को लेकर उनके विचार काफी स्पष्ट हैं।

नीति के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वॉर्श ने फेड के संचार, उसकी बैलेंस शीट की संरचना, उसके द्वारा उपयोग किए जाने वाले डेटा स्रोत, उत्पादकता और रोजगार, और मुद्रास्फीति ढांचे का अध्ययन करने के लिए पांच कार्य बलों के गठन की घोषणा भी की। यह सर्वविदित है कि वॉर्श का मानना ??है कि फेड अधिकारियों को कम संवाद करना चाहिए।

फेड और अन्य केंद्रीय बैंकों के संवाद का स्तर समय के साथ बढ़ा है, विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से, जिसने नीति निर्माताओं और वित्तीय बाजारों सहित अन्य हितधारकों के बीच सूचना विषमता को कम करने में मदद की है। हालांकि वॉर्श के विचार में नीति निर्माता अपने ही शब्दों के कैदी बन सकते हैं। टास्क फोर्स की सिफारिशें और फेड द्वारा उन्हें लागू करने का तरीका अन्य केंद्रीय बैंकों को प्रभावित कर सकता है, जिसके व्यापक परिणाम हो सकते हैं। इन बदलावों के अलावा, फेड के बयान और फेड अध्यक्ष के रूप में वार्श की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस से सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह सामने आई कि फेड ने मूल्य स्थिरता और 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। वार्श ने हमेशा यही कहा है कि मुद्रास्फीति एक विकल्प है, जिसे उन्होंने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में भी दोहराया। हितधारकों में यह चिंता थी कि वह राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के विचारों के अनुरूप इस मुद्दे पर नरम रुख अपना सकते हैं। हालांकि, उनकी टिप्प?णियों से फिलहाल ऐसी आशंकाएं दूर हो जानी चाहिए।

-सुनील कुमार महला

संगीत है शांति, संवेदना और मानवता का स्वर

आज का विश्व अभूतपूर्व संकटों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर युद्धों की विभीषिका है, दूसरी ओर आतंकवाद का भय, सामाजिक हिंसा, मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन और असहिष्णुता का बढ़ता हुआ वातावरण। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न तो बनाया है, लेकिन मनुष्य के भीतर की शांति, संतुलन और आनंद कहीं खोता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई शक्ति मनुष्य को स्वयं से, समाज से और मानवता से पुनः जोड़ सकती है तो वह है-संगीत। संगीत केवल मनोरंजन नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी संवेदनाओं का जागरण है। यह आत्मा की भाषा है, जो बिना शब्दों के भी हृदय तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि 21 जून को विश्व संगीत दिवस केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को शांति, संवेदना और सौहार्द का संदेश देने वाला वैश्विक उत्सव बन गया है।

विश्व संगीत दिवस का आरम्भ 1982 में फ्रांस से हुआ था। इसका मूल उद्देश्य था कि संगीत सभागारों और मंचों तक सीमित न रहे, बल्कि सड़कों, पार्कों, चौपालों और जनजीवन में उतरे। धीरे-धीरे यह उत्सव 120 से अधिक देशों तक पहुंच गया। आज यह दिन हमें याद दिलाता है कि संगीत किसी देश, धर्म, जाति या भाषा का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा धरोहर है। वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बढ़ती हुई कठोरता और संवेदनहीनता है। हथियारों से पहले विचार हिंसक होते हैं और विचारों को मानवीय बनाने का सामर्थ्य संगीत में है। संगीत मनुष्य के भीतर करुणा, प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना जगाता है। जहां संवाद समाप्त हो जाता है, वहां संगीत संवाद का नया मार्ग खोल देता है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी शांति नहीं दी, लेकिन संगीत ने सदैव टूटे हुए दिलों को जोड़ा है। सैनिक मोर्चों पर भी गीतों ने साहस जगाया है और शांति आंदोलनों में भी संगीत ने मानवता की आवाज बनकर कार्य किया है। आज जब दुनिया के अनेक हिस्से संघर्षों से जूझ रहे हैं, तब संगीत सीमाओं से परे जाकर मनुष्यों के बीच एक अदृश्य पुल का निर्माण कर सकता है। संगीत का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि यह मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि संगीत केवल कानों को सुख नहीं देता, बल्कि शरीर और मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालता है। अनेक शोधों से प्रमाणित हुआ है कि मधुर संगीत तनाव हार्मोन को कम करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है, अनिद्रा में राहत देता है तथा अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में सहायक होता है।

आज दुनिया में करोड़ों लोग मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़, अकेलापन और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को भीतर से थका दिया है। ऐसे समय में संगीत एक औषधि की तरह कार्य करता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक अस्पतालों में संगीत-चिकित्सा- म्यूजिक थैरेपी का प्रयोग किया जा रहा है। यह चिकित्सा व्यक्ति के मन को शांत कर उसके भीतर आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। संगीत का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि रचनात्मकता और सृजनशीलता से भी है। जहां संगीत होता है, वहां जीवन में लय होती है। लयहीन जीवन तनाव पैदा करता है, जबकि संगीत जीवन को संतुलन प्रदान करता है। संगीत सुनने वाला व्यक्ति अधिक संवेदनशील, अधिक कल्पनाशील और अधिक रचनात्मक बनता है। यही कारण है कि साहित्य, कला, चित्रकला, नृत्य और अन्य सृजनात्मक क्षेत्रों में संगीत की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। यदि गहराई से देखा जाए तो संपूर्ण प्रकृति स्वयं एक विराट संगीत है। पक्षियों का कलरव, कोयल की कूक, झरनों की कलकल, समुद्र की लहरों का संगीत, वर्षा की रिमझिम, हवा की सरसराहट और पत्तों की थिरकन-सबमें संगीत की ही अभिव्यक्ति है। प्रकृति का यह संगीत हमें सिखाता है कि जीवन संघर्ष नहीं, समन्वय का नाम है। जहां समन्वय है, वहां संगीत है; जहां संगीत है, वहां शांति है।

भारतीय संस्कृति में संगीत को दिव्यता का स्वरूप माना गया है। भगवान शिव के डमरू से निकली ध्वनियों को सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीक माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि प्रेम, आकर्षण और आत्मिक एकता का प्रतीक है। मां सरस्वती के हाथों में वीणा ज्ञान और संगीत के अद्भुत समन्वय का संदेश देती है। भारतीय संगीत की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। वेदों के मंत्रों से लेकर सामवेद के गायन तक, भक्ति आंदोलन के संतों से लेकर शास्त्रीय संगीत के महान आचार्यों तक, संगीत ने भारतीय समाज को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीरा, नामदेव, तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान व्यक्तित्वों ने संगीत को जन-जन तक पहुंचाया। संगीत केवल कला नहीं, बल्कि अहिंसा का भी माध्यम है। हिंसा मनुष्य को विभाजित करती है, जबकि संगीत जोड़ता है। आतंकवाद और कट्टरता का जन्म घृणा से होता है, जबकि संगीत प्रेम का वातावरण निर्मित करता है। यदि बच्चों को बचपन से संगीत, कला और संस्कृति से जोड़ा जाए तो उनके भीतर संवेदनशीलता और सहिष्णुता विकसित होगी। यही संवेदनशीलता भविष्य में हिंसा और कट्टरता के विरुद्ध सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। आज विश्व को जिस प्रकार योग की आवश्यकता है, उसी प्रकार संगीत की भी आवश्यकता है। वास्तव में संगीत और योग दोनों एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं-आंतरिक संतुलन और आत्मिक शांति। योग शरीर और मन को जोड़ता है, जबकि संगीत मन और आत्मा को जोड़ता है। दोनों मिलकर व्यक्ति को सम्पूर्ण स्वास्थ्य और संतुलित जीवन की दिशा प्रदान करते हैं। संगीत सामाजिक सौहार्द का भी महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी उत्सव, पर्व, विवाह, धार्मिक आयोजन या राष्ट्रीय समारोह की कल्पना संगीत के बिना नहीं की जा सकती। संगीत लोगों को एक साथ बैठने, सुनने और अनुभव करने का अवसर देता है। जहां लोग साथ गाते हैं, वहां वैमनस्य के लिए स्थान कम रह जाता है। विश्व संगीत दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि दुनिया को अधिक शांतिपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक संवेदनशील बनाना है तो संगीत को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। संगीत को केवल मंचों और कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि विद्यालयों, परिवारों, कार्यस्थलों और सामाजिक जीवन में भी उसे सम्मानजनक स्थान देना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम संगीत को केवल मनोरंजन का साधन न मानें, बल्कि जीवन-शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता और विश्वशांति के प्रभावी माध्यम के रूप में स्वीकार करें। जब दुनिया युद्ध के शोर से कांप रही हो, तब संगीत ही वह मधुर स्वर है जो मानवता को बचा सकता है। जब मनुष्य तनाव और अवसाद से घिरा हो, तब संगीत ही वह प्रकाश है जो भीतर आशा की किरण जगाता है। वस्तुतः संगीत अहिंसा है, संगीत योग है, संगीत शांति है, संगीत ऊर्जा है और संगीत मानवता की आत्मा का स्वर है। विश्व संगीत दिवस इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है कि जब तक संगीत जीवित है, तब तक मनुष्य के भीतर प्रेम, करुणा और शांति की संभावना भी जीवित रहेगी।

- ललित गर्ग

अच्छे दिनों में राजकोषीय गुंजाइश न बनाना भारत की बड़ी भूल, आर्थिक संकट में विकल्प हुए सीमित

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी से हाल के संकट से निपटने के लिए तीन 'एफ' पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। ये हैं फॉरेन एक्सचेंज, फ्यूल और फर्टिलाइजर यानी विदेशी मुद्रा, ईंधन और उर्वरक। लेकिन उन्हें एक और महत्त्वपूर्ण 'एफ' जोड़ने की आवश्यकता हो सकती है- ?फिस्कल स्पेस यानी राजकोषीय गुंजाइश। यदि यह उपलब्ध होती तो वर्तमान संकट का सामना करने में उनके पास अधिक विकल्प होते।

यदि भारत ने कोविड संकट के 2022-23 में समाप्त होने के बाद के तीन अच्छे वर्षों में अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो आज इस संकट से निपटने के लिए उसके पास अधिक विकल्प होते। मैंने जनवरी 2025 के अपने कॉलम में चेतावनी दी थी कि यदि भारत अनुकूल समय में अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाने में सक्षम नहीं हुआ, तो अगले संकट से निपटने के लिए हमारे पास कोई साधन नहीं होगा। उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया। आज हम एक ऐसे संकट का सामना कर रहे हैं जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी और जिसके लिए भारत बिल्कुल तैयार नहीं है तथा उसके पास सीमित विकल्प ही उपलब्ध हैं।

भारत ने राजकोषीय घाटा कम करने के लिए जो रास्ता अपनाया है वह बहुत धीमा है। वित्त वर्ष 27 के (बजट अनुमान) में इसका राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी रहने का अनुमान है जो धीमी गिरावट के बाद वित्त वर्ष 26 में 4.4 फीसदी तक पहुंचा है, जबकि वित्त वर्ष 22 में यह 6.7 फीसदी था।

राज्यों का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 में बढ़ा जिसके कारण सार्वजनिक ऋण जीडीपी के अनुपात में बहुत धीरे-धीरे घटा और 80 फीसदी से ऊपर ही बना रहा। पश्चिम एशिया संकट से पहले भी अनुमान था कि सार्वजनिक ऋण 2030 तक ही जीडीपी के 80 फीसदी से नीचे जाएगा। यह संकट के बाद सबसे धीमी राजकोषीय सुधार में से एक है जिससे घाटे को वित्तपोषित करने के लिए अधिक वित्तीय नियंत्रण हुआ और वाणिज्यिक ब्याज दरें ऊंची बनी रहीं।

तेजी से निजीकरण करके राजकोषीय घाटे को तेजी से कम किया जा सकता था लेकिन एयर इंडिया की बिक्री के बाद वह पूरी तरह ठप पड़ गया। मैंने कुछ वर्ष पहले राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान में किए गए एक विस्तृत अध्ययन में तर्क दिया था कि रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने वाली महारत्न कंपनियों को छोड़कर इतने अधिक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को बनाए रखने का कोई कारण नहीं है और उनकी बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में किया जाना चाहिए।

लेकिन तब से भारत ने पहले ही सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश कर लिया है, इसलिए भविष्य में सरकारी उपक्रमों की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक ऋण कम करने और भविष्य के संकटों के लिए राजकोषीय गुंजाइश बनाने में किया

जाना चाहिए। वास्तव में, तब से भारत में सरकारी उपक्रमों की संख्या घटने के बजाय आश्चर्यजनक रूप से बढ़ गई है। यह उस सरकार के लिए अजीब है जिसने 'अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार' का नारा दिया था। इन कंपनियों के बड़े हिस्से को बेचकर सार्वजनिक ऋण घटाना वह राजकोषीय गुंजाइश पैदा करेगा जिसकी हमें भविष्य के संकटों से निपटने के लिए आवश्यकता है। इस बार संकट के दौरान तो हम यह नहीं कर पाए लेकिन अगले संकट के लिए यह जरूरी है।

एक और 'एफ' यानी 'फ्रीबीज' (मुफ्त उपहार आदि) पर ध्यान देना जरूरी होना चाहिए। हर राज्य में और हर चुनाव के साथ इनकी तादाद बढ़ती ही जा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) है जिसके जरिये 81.4 करोड़ नागरिकों (जनसंख्या का 56 फीसदी) को मुफ्त भोजन दिया जाता है। इसकी लागत जीडीपी की 0.7 फीसदी है लेकिन अब यह बढ़कर जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक हो जाएगी।

हाल ही में ईटी ग्लोबल समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इतनी बड़ी सब्सिडी केवल 20 करोड़ गरीब रेखा से नीचे रहने वालों को ही नहीं बल्कि अन्य 60 करोड़ लोगों को भी दी जा रही है। उन्होंने तर्क दिया कि वे गरीब रेखा से ठीक ऊपर हैं लेकिन फिर से गरीबी में आ सकते हैं और इसलिए मुफ्त भोजन के हकदार हैं। सवाल यह उठता है कि यह मुफ्त भोजन आखिर जाता कहां है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा के अनुसार हाल ही में जारी छठा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण दिखाता है कि भारत में बाल कुपोषण दर 2023-24 में 32 फीसदी थी जो 2019-21 (एनएफएचएस-5) से लगभग अपरिवर्तित रही। इस असाधारण उदारता का असली कारण यह है कि बहुत से लोगों के लिए नौकरियां सुनिश्चित नहीं की जा सकीं और उन्हें यह विशाल रियायत वोट पाने के लिए दी जाती है। अब हर पार्टी हर चुनाव में एक-दूसरे से अधिक मुफ्त उपहार देने की होड़ करती है जिससे केंद्रीय और राज्य स्तर पर घाटे और बढ़ जाते हैं। वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 में राज्य स्तर के घाटे तेजी से बढ़े जिससे सार्वजनिक ऋण का स्तर ऊंचा बना रहा।

ताजा सर्वेक्षण से पता चलता है कि मार्च 2026 के लिए व्यापार मुद्रास्फीति अपेक्षाएं 57 आधार अंक बढ़ीं। कंपनियों ने लगातार तीन महीनों तक अपनी महंगाई अपेक्षाएं 5 फीसदी से ऊपर रखीं। ऐसा अगस्त 2022 के बाद ही देखा गया था। अप्रैल 2026 में व्यवसायों ने एक वर्ष आगे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की शीर्ष महंगाई दर 4.94 फीसदी रहने की उम्मीद जताई जो फरवरी 2026 के 4.7 फीसदी से 24 आधार अंक अधिक है। इससे आगे मौद्रिक नीति समिति पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव होगा। वहां कोई राहत नहीं।

रुपये को संभालने के लिए पूंजी प्रवाह पर रोक लगाने की मांग उठ रही है। लेकिन इससे भारत को लंबे समय में और अधिक नुकसान हो सकता है। एकमात्र विकल्प छोटे उद्यमों को अधिक ऋण सहूलियत देना होगा ताकि वे संकट के दौर में टिके रहे सकें।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 30 जून 2026 तक वितरित किए गए प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट निर्यात ऋण के लिए 450 दिनों तक की विस्तारित ऋण अवधि की घोषणा की है। सरकार ने लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण सहूलियत योजना की घोषणा की है। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए। लेकिन हाल के संकट से बड़ा सबक यह है कि जब वैश्विक अनिश्चितता बढ़ रही हो, भारत के सामने भविष्य में और संकट आ सकते हैं।

-धनंजय राजौरा

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (पैरामेडिकल) में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (पैरामेडिकल), देवास में दिनांक 18 जून 2026 को ÷मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग फॉर हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स÷ विषय पर एक अंतर्विषयक शिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. स्नेहा सहाय, यूथम डायरेक्टर (पैरामेडिकल) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें पैरामेडिकल विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9ः15 बजे हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. खालिद पटेल ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तृत एवं संवादात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों एवं विद्यार्थियों के समक्ष आने वाली मानसिक चुनौतियों जैसे तनाव, चिंता, अवसाद, बर्नआउट तथा भावनात्मक थकान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए मानसिक स्वास्थ्य का अच्छा होना शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है।

अपने व्याख्यान में डॉ. पटेल ने तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव और चिकित्सकीय दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अवसाद और चिंता के शुरुआती लक्षणों की पहचान करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ सहायता लेने के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, सकारात्मक सोच, प्रभावी संवाद एवं कार्य-जीवन संतुलन को मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के महत्वपूर्ण आधार बताया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अकादमिक दबाव, तनाव प्रबंधन तथा भावनात्मक दृढ़ता से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. पटेल ने विस्तार से उत्तर दिया। संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में इसकी भूमिका को बेहतर ढंग से समझने में सहायता प्रदान की।

इस अवसर पर स्वास्थ्य संस्थानों में सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण विकसित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को एक-दूसरे का सहयोग करने, स्वस्थ संबंध बनाए रखने तथा कठिन परिस्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सकारात्मक उपाय अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं लाभकारी रहा। इससे विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा तनाव एवं अवसाद की रोकथाम के लिए उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम ने मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने और एक स्वस्थ एवं सहयोगी स्वास्थ्य सेवा समुदाय के निर्माण के अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. खालिद पटेल का आभार व्यक्त किया गया तथा विद्यार्थियों के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना की गई।

आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहार मोहर्रम को देखते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना एवं पुलिस के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शनिवार को एसपी यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन में नगर शाजापुर में फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया।

फ्लैग मार्च किला गेट से प्रारंभ होकर छोटा चौक, बड़ा चौक, सोमवारिया, बिलाल मस्जिद गली, लालपुरा, कुम्हारवाड़ा, मगरिया, नाग-नागिनी रोड, पोस्ट ऑफिस चौराहा, नूर मंडी, कमरदीपुरा, चौकदारवाड़ी, गाडरीपुरा, दायरा, लकड़शाह, मीरकला एवं पिंजारवाड़ी होते हुए पुनः किला गेट पर समाप्त हुआ। मार्च के दौरान पुलिस बल द्वारा संवेदनशील एवं प्रमुख मार्गों पर पैदल भ्रमण कर नागरिकों को शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। साथ ही लोगों से त्योहार को आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अजय मिश्रा, थाना प्रभारी कोतवाली संतोष वाघेला, थाना प्रभारी लालघाटी अर्जुनसिंह मुजाल्दे, थाना प्रभारी महिला थाना आशा सोलंकी, थाना प्रभारी अजाक रामचंद्र नागर, थाना प्रभारी मक्सी संजय वर्मा, थाना प्रभारी बेरछा भरतसिंह किरार, थाना प्रभारी सुनेरा अंकित मुकाती सहित विभिन्न पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अफवाहों पर ध्यान न दें, शांति से मनाएं त्यौहार- एएसपी श्री मालवीय ने लोगों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान शांति एवं भाईचारे की परंपरा को बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा सूचना की स्थिति में तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में होगा आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिले में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय सहित विकासखण्डों और नगर परिषदों में किया जायेगा। जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जिला मुख्यालय पर देवास में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम गणेश मंदिर के सामने चौपाटी स्थल पर सुबह 06 बजे से आयोजित होगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, सामाजिक संगठन, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, स्वयंसेवी संस्थाएं, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकगणों द्वारा एक साथ योग किया जायेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बरसात के मौसम को देखते हुए मल्हार मंदिर देवास में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर ऋषुराज सिंह ने जिले में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व्यापक स्तर पर मनाने के निर्देश दिये है। उन्होंने निर्देश दिये है कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी विकासखण्डों और नगर परिषदों में अनिवार्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ गरिमामय आयोजन की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

एसीएस अशोक वर्णवाल एवं एमडी एनएचएम श्रीमती सलोनी सिडाना ने किया जिला अस्पताल के नवनिर्मित क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ए.सी.एस. अशोक वर्णवाल एवं एमडी एनएचएम श्रीमती सलोनी सिडाना द्वारा जिला अस्पताल के क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ऋषुराज सिंह, एसडीएम अभिषेक शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सरोजिनी जेम्स बेक, सिविल सर्जन डॉ. आरपी परमार, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वंदना केसरी, डॉ.मनीषा मिश्रा, आरएमओ डॉ अजय पटेल, अस्पताल प्रबंधक श्री प्रमोद गुणवान सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

ए.सी.एस. अशोक वर्णवाल एवं एमडी एनएचएम श्रीमती सलोनी सिडाना ने क्रिटिकल केयर यूनिट के अलग- अलग कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कक्ष ऐसे बनाए जाए कि मरीजों को असुविधा न हो। उन्होंने ब्लड बैंक डोनर रूम का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। ऑपरेशन थिएटर की उच्च स्तरीय गुणवत्ता बनाए रखने, ऑपरेशन थिएटर की लाइट से संबंधी आवश्यक निर्देश संबंधितों को दिए। उन्होंने क्रिटिकल केयर ब्लॉक में आईसीयू की यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रिटिकल केयर ब्लॉक यूनिट का जिला अस्पताल के मुख्य भवन से कनेक्शन अनिवार्य रूप से 7 से 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि मरीजों की आवश्यकता अनुसार अस्पताल में चाहे गए बदलावों को सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक कक्षों का सुनिश्चित उपयोग करने हेतु निर्देशित किया तथा कहा कि स्टोर में प्रदाय की गई सामग्री एवं उपकरणों का गुणवत्ता पूर्वक उपयोग किया जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि बिल्डिंग की सीढ़ियों को इस प्रकार से विकसित करें कि मरीजों को किसी प्रकार से असुविधा न हो।

फंदे पर लटका मिला युवक, मौत

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के लालपुरा मोहल्ला निवासी एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला। युवक ने रात में इंस्टाग्राम पर स्टोरी डाली थी। जिसके बाद उसने सुबह यह कदम उठा लिया। घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। परिजनों ने जब मयंक को फंदे पर लटका देखा तो तत्काल उसे नीचे उतारा और उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मयंक प्रजापति गाड़ी सीज करने का काम करता था। उसकी शादी करीब दो से ढाई साल पहले हुई थी और उसका एक छोटा बच्चा भी है। मयंक ने करीब 13 घंटे पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की थी। स्टोरी में लिखा था आज कुछ नहीं हुआ तो क्या हुआ कल आपके आशीर्वाद से सब कुछ होगा सांवरिया सेठ। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

नीट परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क बस व्यवस्था

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास नीट परीक्षा 21 जून (रविवार) के लिए परीक्षा केन्द्र शासकीय विधि महाविद्यालय मक्सी रोड देवास पर परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन देवास द्वारा दो बसों की व्यवस्था की गई है। जिन परीक्षार्थियों का परीक्षा केन्द्र शासकीय विधि महाविद्यालय, देवास है वे परीक्षार्थी निःशुल्क बस सेवा का उपयोग कर सकते है। बस देवास रेल्वे स्टेशन पर प्रातः 9.30 बजे उपलब्ध रहेगी एवं प्रातः 11 बजे परीक्षा केन्द्र हेतु प्रस्थान करेगी। बस देवास बस स्टैंड पर प्रातः 9.30 बजे उपलब्ध रहेगी एवं प्रातः 11.00 बजे परीक्षा केन्द्र हेतु प्रस्थान करेगी।

जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में होगा आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिले में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय सहित विकासखण्डों और नगर परिषदों में किया जायेगा। जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जिला मुख्यालय पर देवास में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम गणेश मंदिर के सामने चौपाटी स्थल पर सुबह 06 बजे से आयोजित होगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, सामाजिक संगठन, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, स्वयंसेवी संस्थाएं, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकगणों द्वारा एक साथ योग किया जायेगा।

शिवसेना स्थापना दिवस पर बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

कई पदाधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर नगर अध्यक्ष शिवम चतुर्वेदी के नेतृत्व में इटावा स्थित सांवरिया सेठ मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंदिर परिसर में विशेष पूजन एवं आरती कर संगठन की मजबूती और जनकल्याण की कामना की गई। इसके उपरांत शिवसेना संस्थापक एवं हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।इतत्पश्चात आयोजित कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति में प्रदेश उप राज्य प्रमुख रोहित शर्मा जी ने संगठन की विचारधारा एवं आगामी कार्ययोजना पर मार्गदर्शन प्रदान किया। जिला प्रभारी विजय जायसवाल जी संजू भाटी ने संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। स्थापना दिवस के अवसर पर बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए संगठन विस्तार के तहत विभिन्न पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इनमें टोंकखुर्द तहसील अध्यक्ष पंकज पवार, देवास नगर उपाध्यक्ष विकास महाराज, देवास नगर मंत्री दीपक वाल्मीकि, देवास नगर महामंत्री वंश वर्मा, वार्ड क्रमांक 13 के अध्यक्ष नितिन गोस्वामी, वार्ड क्रमांक 8 के अध्यक्ष सूर्यप्रताप राठौर तथा जिला महामंत्री अंकित कौशल को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर रतनेश भाई, राकेश लाला जी, अमित द्विवेदी जी, लखन डांगी जी, विनोद कुमावत सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारी एवं उनकी टीम के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में शिवसैनिकों ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी नगर अध्यक्ष शिवम चतुर्वेदी ने दी।

वाटर पार्क संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज

वाटर पार्क में गोता लगाने से घायल हुए युवक की मौत के मामले में की कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के पनवाड़ी-जलोदा स्थित ड्रीम फन वैली वाटर पार्क में नहाने के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच के बाद वाटर पार्क के दो संचालकों के खिलाफ व्यवस्थाओं मं लापरवाही का प्रकरण दर्ज किया है। मृतक की पहचान राजगढ़ जिले के भैंसवा माताजी निवासी 25 वर्षीय सुनील भिलाला के रूप में हुई थी।

जानकारी के अनुसार सुनील अपने दो दोस्तों के साथ 3 जून को वाटर पार्क गया था। दोपहर में वह लहर वाले स्विमिंग पूल की दीवार पर चढ़कर पानी में गोता लगाने लगा। गोता लगाने के बाद वह पानी से बाहर नहीं निकल पाया। उसके दोस्तों ने उसे बाहर निकाला तो उसके सिर से खून बह रहा था और वह गंभीर रूप से घायल था। जिसे पहले पनवाड़ी के एक निजी क्लीनिक ले जाया गया, जिसके बाद उसे शाजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां से उसे इंदौर के एमवाय अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान 5 जून की देर रात सुनील की मौत हो गई थी। पुलिस जांच व प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के आधार पर यह सामने आया कि वाटर पार्क में किसी भी संवेदनशील स्थान पर चेतावनी बोर्ड या सांकेतिक चिन्ह नहीं लगाए गए थे। पुलिस ने इसे संचालकों की लापरवाही मानते हुए ड्रीम फन वैली वाटर पार्क के संचालक अंशुल उर्फ विक्की शिवहरे और राहुल शिवहरे निवासी जलोदा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

निर्माणाधीन रसूलपुर ब्रिज का अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्माणाधीन रसूलपुर ब्रिज क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्रिज निर्माण कार्य के कारण उत्पन्न होने वाली संभावित यातायात चुनौतियों, सुरक्षा उपायों तथा वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था का जायजा लिया गया।

संयुक्त भ्रमण में एसडीएम देवास, नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) देवास, यातायात पुलिस, थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस, एनएचएआई के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल रहे। अधिकारियों ने निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण कर यातायात संचालन को अधिक प्रभावी बनाने, संकेतक बोर्ड लगाने, सुरक्षा बैरिकेडिंग मजबूत करने तथा वाहन चालकों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का पालन करने और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त यातायात प्रबंधन उपाय लागू करने पर भी जोर दिया।

प्रशासन एवं पुलिस ने नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि निर्माणाधीन क्षेत्र से गुजरते समय वाहन की गति नियंत्रित रखें, यातायात नियमों का पालन करें तथा अनावश्यक ओवरटेकिंग से बचें। इससे दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी।

अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी भी प्रकार की यातायात बाधा या जाम की स्थिति निर्मित होती है तो नागरिक तत्काल डायल-112 अथवा कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7049125083 पर सूचना दे सकते हैं, जिससे समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

देवास पुलिस द्वारा नागरिकों की सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

किसानों ने सीखे जीवामृत-बीजामृत के गुर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बस स्टैंड स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यहां बड़ी संख्या में किसानों ने शामिल होकर जैविक खेती के बारे में जानकारी जुटाई। जिन्हें कृषि वैज्ञानिकों ने भी मार्गदर्शन देकर खेती किसानी के बारे में जरूरी जानकारी दी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विधायक अरुण भीमावद ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह किसानों की उत्पादन लागत कम करती है, गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद प्रदान करती है और भूमि की उर्वराशक्ति बनाए रखती है। विधायक ने किसानों से इन तकनीकों को अपनाने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। कृषि वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में प्राकृतिक एवं जैविक खेती के सिद्धांतों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कम लागत में अधिक उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, फसल अवशेष प्रबंधन और रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के विकल्पों पर प्रकाश डाला। खेत बचाओ अभियान के तहत मृदा, जल और जैव विविधता संरक्षण के महत्व को भी समझाया गया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुधीर धाकड़ ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि विभाग, आत्मा परियोजना और कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई है। इसका उद्देश्य जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना है। किसानों को जीवामृत, बीजामृत और प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। उन्हें सलाह दी गई कि वे शुरुआत अपने परिवार की जरूरतों वाली फसलों, जैसे सब्जी, गेहूं और दलहनी फसलों से करें। डॉ. धाकड़ ने यह भी जानकारी दी कि कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती की एक प्रयोगशाला विकसित की गई है। यहां किसान सीधे जाकर इन तकनीकों को समझ सकते हैं। कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य जिले में प्राकृतिक और जैविक खेती के रकबे को बढ़ाना और किसानों को टिकाऊ तथा लाभकारी कृषि पद्धतियों की ओर प्रेरित करना है।

धरती के श्रृंगार के लिए लेना होगा संकल्प

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय रेल्वे कालोनी स्थित श्री नित्येश्वर महादेव मंदिर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की बैठक अध्यक्ष मंगल नाहर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित कंचन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष नवीन वर्मा एवं सचिव गायत्री वर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहना है बल्कि उन्हें संरक्षित करने के साथ धरती का श्रृंगार करने के लिए भी हमें संकल्प लेना होगा। समिति सचिव चंचलनाथ योगी ने बताया कि बैठक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, नशा मुक्ति, स्वच्छ वातावरण एवं ऊर्जा संसाधनों के सदुपयोग सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, संगठन मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह पंवार, सहसंगठन मंत्री सचिन भदौरिया, कोषाध्यक्ष अर्जुन चौधरी, प्रवक्ता शेखर वर्मा तथा सहकोषाध्यक्ष सागर सोनी सहित अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे।

अपने घर लौट रहे बाईक सवार को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से करीब 9 किमी दूर ग्राम नैनावद के पास स्थित पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाईक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लिया है। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की है। सूचना मिलने पर नैनावद पुलिस चौकी की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाय। मृतक की पहचान 25 वर्षीय आकाश बामनिया के रूप में हुई है जो ग्राम सिहोदा निवासी था। आकाश अपनी मोटरसाइकिल से शाजापुर से अपने गांव सिहोदा लौट रहे थे। नैनावद पेट्रोल पंप के पास इंदौर की ओर जा रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। 1033 एंबुलेंस की मदद से युवक के शव को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। नैनावद पुलिस चौकी प्रभारी जीएस सिंह ने बताया कि ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

एकाग्रता और आत्मविश्वास को बढ़ाता है योगः आशा जैन

सहज पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने जाना योग का महत्व, किया प्राणायाम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां विद्यार्थियों ने योग एवं ध्यान की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर योग का महत्व जाना। साथ ही अपने जीवन में योग को नियमित रूप से अपनाने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय संचालिका आशा जैन ने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार बताते हुए सभी को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि आप लोग नियमित रूप से योग करेंगे तो आपके जीवन में कभी बीमारियां प्रवेश नहीं करेगी। यही नहीं योग करने से हमें एकाग्रता भी मिलती है और हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है जो हमें आगे बढ़ने में सहायक होता है।

मंडी शुल्क में बढ़ोतरी के विरोध में 23 जून को बंद रहेगी बदनावर मंडी

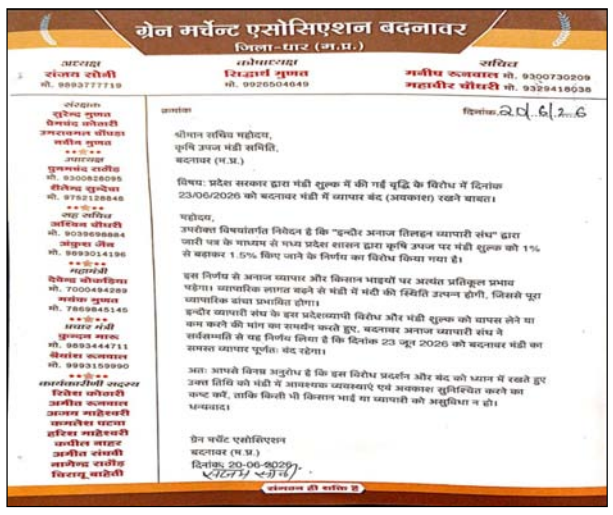

ग्रेन मर्चेन्ट एसोसिएशन बदनावर
जिला-धार (म.प्र.)

अध्यक्ष संजय सोनी मो. 9893777719 | कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ गुप्ता मो. 9926504649 | सचिव मनीष रूनवाल मो. 9300730209, महावीर चौधरी मो. 9329418038

दिनांक 20/6/26

श्रीमान सचिव महोदय,
कृषि उपज मंडी समिति,
बदनावर (म.प्र.)

विषय: प्रदेश सरकार द्वारा मंडी शुल्क में की गई वृद्धि के विरोध में दिनांक 23/06/2026 को बदनावर मंडी में व्यापार बंद (अवकाश) रखने बाबत।

महोदय,
उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि "इन्दौर अनाज तिलहन व्यापारी संघ" द्वारा जारी पत्र के माध्यम से मध्य प्रदेश शासन द्वारा कृषि उपज पर मंडी शुल्क को 1% से बढ़ाकर 1.5% किए जाने के निर्णय का विरोध किया गया है।

इस निर्णय से अनाज व्यापार और किसान भाइयों पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। व्यापारिक लागत बढ़ने से मंडी में मंदी की स्थिति उत्पन्न होगी, जिससे पूरा व्यापारिक ढांचा प्रभावित होगा।
इन्दौर व्यापारी संघ के इस प्रदेशव्यापी विरोध और मंडी शुल्क को वापस लेने या कम करने की मांग का समर्थन करते हुए, बदनावर अनाज व्यापारी संघ ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि दिनांक 23 जून 2026 को बदनावर मंडी का समस्त व्यापार पूर्णतः बंद रहेगा।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस विरोध प्रदर्शन और बंद को ध्यान में रखते हुए उक्त तिथि को मंडी में आवश्यक व्यवस्थाएं एवं अवकाश सुनिश्चित करने का कष्ट करें, ताकि किसी भी किसान भाई या व्यापारी को असुविधा न हो।
धन्यवाद।

ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन
बदनावर (म.प्र.)
दिनांक 20-06-2026

संगठन ही शक्ति है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कृषि उपज पर मंडी शुल्क बढ़ाए जाने के फैसले का विरोध अब तेज होने लगा है। ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन बदनावर (जिला-धार) ने प्रदेश सरकार के इस फैसले के खिलाफ आगामी 23 जून 2026 को बदनावर मंडी में पूर्णतः व्यापार बंद (अवकाश) रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एसोसिएशन ने कृषि उपज मंडी समिति के सचिव को एक आधिकारिक पत्र सौंपकर सूचित किया है।

क्या है पूरा मामला- अनाज तिलहन व्यापारी संघ÷ द्वारा जारी पत्र का समर्थन करते हुए बदनावर एसोसिएशन ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन ने कृषि उपज पर लगने वाले मंडी शुल्क को 1त्र से बढ़ाकर 1.5त्र करने का निर्णय लिया है। इस 0.5त्र की बढ़ोतरी के विरोध में पूरे प्रदेश के व्यापारियों में आक्रोश है।

व्यापारियों और किसानों पर पड़ेगा बुरा असर- ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सोनी एवं अन्य पदाधिकारियों का मानना है कि मंडी शुल्क में इस वृद्धि से व्यापारिक लागत बढ़ेगी, जिससे मंडियों में मंदी की स्थिति पैदा हो सकती है।

पूरा व्यापारिक ढांचा बुरी तरह प्रभावित होगा।

इसका सीधा और अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव अनाज व्यापार के साथ-साथ किसान भाइयों पर भी पड़ेगा।

सर्वसम्मति से लिया गया बंद का निर्णय- इन्दौर व्यापारी संघ के इस प्रदेशव्यापी विरोध और मंडी शुल्क को वापस लेने (या कम करने) की मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए बदनावर अनाज व्यापारी संघ ने सर्वसम्मति से 23 जून 2026 को बदनावर मंडी का समस्त व्यापार पूर्णतः बंद रखने का प्रस्ताव पारित किया है।

मंडी प्रशासन से की गई व्यवस्था की मांग- ने मंडी सचिव से विनम्र अनुरोध किया है कि इस विरोध प्रदर्शन और बंद को ध्यान में रखते हुए नियत तिथि (23 जून) को मंडी में आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं एवं अवकाश सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी किसान भाई या व्यापारी को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन में चंदन सिंह बड़वाया को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन द्वारा श्री चंदन सिंह बड़वाया को संगठन की प्रचार समिति का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उनके सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यों को देखते हुए की गई है। नियुक्ति पत्र जारी होने पर क्षेत्र एवं गांव में हर्ष का माहौल है। संगठन के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने चंदनसिंह बड़वाया को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। इस अवसर पर श्री चंदन सिंह बड़वाया ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित, समाजहित एवं सनातन धर्म के संरक्षण हेतु पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

गांव में निकली विशाल कलश यात्रा, झमाझम बारिश में भी झूमते दिखाई दिए श्रद्धालु 24 तारीख के दिन होगा भंडारा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मदाना गांव के कृष्ण मंदिर निर्माण कार्य के बाद राधा कृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शनिवार से पाच दिवसीय राधा कृष्ण महायज्ञ का आयोजन शनिवार से प्रारंभ किया गया है जहां यज्ञ प्रारंभ होने से पहले गांव में विशाल कलश यात्रा निकाली गई राधा कृष्ण की प्रतिमा लेकर पुरी यात्रा में चलते दिखाई दिए ग्रामीण जनों ने जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया सुबह 9 बजे कृष्ण मंदिर से शुरू हुई कलश यात्रा इलाई माता मंदिर मार्ग सिलेपुर मार्ग रामदेव मंदिर मार्ग भगवान दास मार्ग होकर नित्यानंद नगर हनुमान मंदिर पहुंची यज्ञ आचार्य श्री शिवनारायण जगनिहोत्री नीरज जी अग्निहोत्री गिरिश जी व्यास रघुवीर सिंह व्यास द्वारा पूजा अर्चना की गई इस दौरान झमाझम बारिश होना शुरू हो गई लेकिन श्रद्धालु गण बारिश के बुदे को देखकर और उत्साहित दिखाई दिए हर कोई डीजे की धुन पर नाचते हुए दिखाई दे रहे थे उक्त कलश यात्रा में यज्ञ के आयोजन को पूर्ण करवाने वाले सभी गुरुजनों एवं जजमान ग्रामीण जन ग्राम सहित ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धा शामिल हुए थे यहा यहां यज्ञ के आयोजन के दौरान प्रतिदिन रात्रि को 8 से 11 बजे तक नीरज जी अग्निहोत्री के मुखारविंद से राधा कृष्ण की कथा का आयोजन भी किया जाएगा।

संथारा साधना : आत्मकल्याण, समता और मोक्षमार्ग की ओर एक दिव्य यात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन धर्म की महान तप, त्याग और आत्मसाधना प्रधान परंपरा में संथारा (सल्लेखना) को जीवन की सर्वोच्च आध्यात्मिक आराधनाओं में स्थान प्राप्त है। यह केवल जीवन का अंतिम निर्णय नहीं, बल्कि आत्मा को कर्मबंधन से मुक्त करने, राग-द्वेष का क्षय करने तथा समता भाव से जीवन की पूर्णाहुति देने की एक महान साधना है।

इसी आध्यात्मिक परंपरा को चरितार्थ करते हुए आचार्य भगवंत पूज्य गुरुदेव श्री उमेश मुनिजी म.सा. के गुरु भ्राता करुणामूर्ति सरलमना पूज्य गुरुदेव श्री रूपेन्द्रमुनिजी म.सा. के सुशिष्य तपस्वी पूज्य श्री रतनमुनिजी म.सा. के सांसारिक पुत्र तथा पूज्या महासती श्री पुण्यशीलाजी म.सा. की सुशिष्या महासती पूज्या श्री अंजलीजी म.सा. के सांसारिक दादाजी, कविश एवं प्रीतेश बोकड़िया के पूज्य पिताजी तथा हिमांशु, गाथा एवं गीतिका के दादाजी, श्रद्धेय श्री अभयकुमारजी बोकड़िया (छायन वाले) ने दिनांक 14 जून 2026 को चेतन एवं पूर्ण जागरूक अवस्था में यावज्जीवन चोविहार संथारा ग्रहण किया।

यह प्रत्याख्यान आगम विशारद, बुद्धपुत्र, अप्रमत्त साधक, धर्मदास गणनायक प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. के सुशिष्य मधुर व्याख्यानी सरलमना पूज्य गुरुदेव श्री चंद्रेशमुनिजी म.सा. के पावन मुखारविंद से सायं 6=15 बजे सम्पन्न हुआ।

संथारा क्या है- जैन दर्शन के अनुसार शरीर नश्वर है, जबकि आत्मा अनादि-अनंत एवं अविनाशी है। जब साधक यह अनुभव कर लेता है कि जीवन का शेष समय आत्मकल्याण, आत्मचिंतन और कर्मनिर्जरा में लगाना चाहिए, तब वह समता, विवेक और पूर्ण चेतना के साथ आहार-त्याग कर संथारा आराधना को स्वीकार करता है।

संथारा किसी प्रकार का पलायन नहीं, बल्कि जीवन के अंतिम क्षणों को धर्ममय, संयममय और आत्मकल्याणकारी बनाने का संकल्प है। यह मृत्यु नहीं, बल्कि समाधिमरण की ओर अग्रसर होने की प्रक्रिया है, जिसे जैन आगमों में अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है।

धर्मप्रभावना का जीवंत केंद्र बनता है संथारा स्थल- जब कोई साधक संथारा आराधना ग्रहण करता है, तब वह स्थान केवल एक परिवार का निवास नहीं रह जाता, बल्कि धर्म, दर्शन और आत्मजागरण का केंद्र बन जाता है।

संथारा के दौरान समाजजन, धर्मप्रेमी बंधु-भगिनी, श्रावक-श्राविकाएँ एवं युवा वर्ग वहाँ पहुँचकर– प्रभु भक्ति एवं स्तवन करते हैं।

आगम एवं धर्म की चर्चाएँ सुनते हैं।

जीवन की नश्वरता और आत्मा की शाश्वतता पर चिंतन करते हैं।

संसार के वास्तविक स्वरूप को समझने का प्रयास करते हैं।

समता, क्षमा, त्याग एवं वैराग्य के भावों को आत्मसात करते हैं।

साधक के समक्ष बैठकर प्रत्येक व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि आत्मा का कल्याण है।

संसार का वास्तविक स्वरूप समझने का अवसर

आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं, प्रतिस्पर्धा और मोह-माया के जाल में उलझकर जीवन के वास्तविक लक्ष्य को भूलता जा रहा है।

संथारा साधना हमें स्मरण कराती है कि- धन, पद और प्रतिष्ठा क्षणभंगुर हैं।

शरीर नश्वर है।

संबंध भी समय के साथ परिवर्तनशील हैं।

केवल आत्मा और उसके शुभ संस्कार ही शाश्वत हैं।

जब समाजजन संथारा साधक के दर्शन करते हैं, तब वे प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं कि जीवन का अंतिम सत्य वैराग्य, समता और आत्मशांति है। यही अनुभव उन्हें धर्ममार्ग की ओर प्रेरित करता है।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा- संथारा आराधना नई पीढ़ी को यह संदेश देती है कि जीवन केवल उपभोग के लिए नहीं, बल्कि आत्मोन्नति के लिए मिला है। संयम, सदाचार, सेवा, करुणा और धर्म ही जीवन की वास्तविक पूँजी हैं।

संथारा साधक का शांत, स्थिर और प्रसन्नचित्त स्वरूप यह दर्शाता है कि जिसने जीवनभर धर्म को अपनाया, वह अंतिम समय में भी निर्भय और समभाव से जीवन का समापन कर सकता है।

श्री अभयकुमारजी बोकड़िया की आराधना = समाज के लिए प्रेरक प्रसंग- श्रद्धेय श्री अभयकुमारजी बोकड़िया द्वारा चेतन अवस्था में यावज्जीवन चोविहार संथारा ग्रहण करना न केवल उनके परिवार, बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उनकी यह तपमय आराधना अनेक आत्माओं को धर्म, संयम और आत्मचिंतन की दिशा में प्रेरित कर रही है।

देव, गुरु एवं धर्म की कृपा से उनकी यह आराधना निरंतर मंगलमय, निर्विघ्न एवं आत्मकल्याणकारी बने तथा मोक्षमार्ग की प्रशस्ति का कारण बने, यही भावपूर्ण मंगलकामना है।

खूब-खूब अनुमोदना!

जय महावीर। जय जिनशासन। जय संथारा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम पोलो ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम पोलो ग्राउंड में प्रातः 6 बजे से सामूहिक योगाभ्यास के रूप में आयोजित किया जाएगा। जिसमें माननीय श्री चेतन्य काश्यप, मंत्री सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मुख्य अतिथि होंगे। उक्त कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

तीर्थ दर्शन योजना के यात्रियों को विदा किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के अंतर्गत हरिद्वार-ऋषिकेश की पावन यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु तीर्थयात्रियों का आज नगर परिषद अध्यक्ष मीना-शेखर यादव एवं उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार ने स्वागत किया एवं उन्हें शुभकामनाओं के साथ यात्रा के लिए के 9 सदस्यों के दल को विदा किया। इस अवसर पर मीना शेखर यादव ने सभी तीर्थयात्रियों की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए कहा कि हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की तीर्थदर्शन योजना वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी श्रद्धालु तीर्थयात्री हरिद्वार एवं ऋषिकेश के पावन धामों के दर्शन कर सुख, शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ सकुशल अपने घर लौटें। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शेखर यादव, संतोष चौहान, कुलदीपसिंह शक्तावत, निकाय कर्मियों ने भी शुभ यात्रा की कामना की।

बूथ अध्यक्षों से रूबरू हुए विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय, संगठन और योजनाओं पर की चर्चा

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने बड़ावदा मंडल के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर कार्यकर्ताओं एवं बूथ अध्यक्षों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। विधायक डॉ. मालवीय ने हनुमंतिया, फाचरिया, तलावली, नीबोदिया सहित कई ग्रामों में पहुंचकर बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विषयों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही संगठन की आगामी गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी मार्गदर्शन प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में क्षेत्र के किसानों द्वारा भूमि के उचित मूल्य मिलने पर केरवासा में विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय का भव्य स्वागत किया गया था। दौरे के दौरान उन्होंने किसानों और ग्रामीणों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जाना। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शंभूलाल चंद्रवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दादू, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमराज हाड़ा, विधायक प्रतिनिधि समरथ पाटीदार, सुरेंद्र कांकाणी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ हींगड़, मनोज जोशी, बद्रीलाल चौधरी, महेश सोडाणी, युवराज सिंह चौहान, मनोहर राठौड़, मनीष जोशी, दिनेश पौराणिक, अनिल हाड़ा, शांतिलाल जायसवाल, चेतन जादव, राजेश कांकाणी, ईश्वर सेन, अंबाराम चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

98वीं निरंतर अमावस्या दर्शन यात्राः नागदा के दिनेश सेठिया पर श्री साँवलिया सेठ जी की असीम कृपा, शतक से सिर्फ दो कदम दूर

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भक्ति, श्रद्धा और समर्पण जब अपने चरम पर पहुँचते हैं, तब ईश्वर स्वयं भक्त के जीवन में अपनी कृपा की वर्षा करते हैं। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण नागदा के परम भक्त दिनेश सेठिया हैं, जिन्हें श्री साँवलिया सेठ जी की असीम कृपा से बिना किसी व्यवधान के लगातार 98 माह तक अमावस्या दर्शन करने का दुर्लभ और सौभाग्यशाली अवसर प्राप्त हुआ है। यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि लगभग साढ़े आठ वर्षों की अखंड श्रद्धा, विश्वास, अनुशासन और भक्ति का अनुपम प्रतीक है।

अमावस्या का दिन श्री साँवलिया सेठ मंदिर के भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस पावन अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मंडफिया धाम पहुँचकर अपने आराध्य के दर्शन करते हैं और जीवन में सुख, समृद्धि तथा आध्यात्मिक शांति की कामना करते हैं। ऐसे में लगातार 98 अमावस्याओं तक बिना नागा दर्शन करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वयं ठाकुरजी की विशेष कृपा का प्रमाण माना जा रहा है।

दिनेश सेठिया ने हर परिस्थिति में अपने आराध्य के प्रति अटूट विश्वास बनाए रखा। जीवन में आने वाली व्यस्तताओं, मौसम की प्रतिकूलताओं, पारिवारिक जिम्मेदारियों और अन्य अनेक चुनौतियों के बावजूद उनका संकल्प कभी कमजोर नहीं प्रत्येक अमावस्या पर वे श्रद्धा के साथ श्री साँवलिया सेठ जी के दरबार में उपस्थित होकर अपने प्रभु के चरणों में शीश नवाते रहे। यही सच्ची भक्ति का स्वरूप है, जहाँ भक्त अपने आराध्य को जीवन का केंद्र बना लेता है।

कहा जाता है कि जब भक्त एक कदम भगवान की ओर बढ़ाता है, तो भगवान सौ कदम उसकी ओर बढ़ते हैं। दिनेश सेठिया की यह 98 माह की निरंतर यात्रा इसी सत्य को प्रमाणित करती है। यह केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि उन सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा है जो अपने जीवन में भक्ति को सर्वोच्च स्थान देना चाहते हैं। उनका यह संकल्प हमें सिखाता है कि यदि मन में श्रद्धा और विश्वास अडिग हो, तो कोई भी बाधा हमारे आध्यात्मिक मार्ग को रोक नहीं सकती।

आज जब यह पावन यात्रा अपनी 98वीं अमावस्या के मुकाम पर पहुँची है, तब सभी भक्तजन उनके इस अद्भुत संकल्प और भक्ति भावना को नमन कर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल दिनेश सेठिया की नहीं, बल्कि उन सभी भक्तों की प्रेरणा है जो श्री साँवलिया सेठ जी की शरण में अपने जीवन का मार्ग खोजते हैं।

अब यह यात्रा अपने ऐतिहासिक पड़ाव की ओर अग्रसर है। मात्र दो अमावस्याओं के बाद यह निरंतर दर्शन यात्रा 100 अमावस्या (शतक) के गौरवशाली मुकाम को स्पर्श करेगी। यह क्षण निश्चित रूप से अत्यंत भावुक, स्मरणीय और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष होगा। सभी भक्तों की यही प्रार्थना है कि श्री साँवलिया सेठ जी की कृपा इसी प्रकार बनी रहे और दिनेश सेठिया का यह पावन संकल्प शतकीय उपलब्धि के साथ नई ऊँचाइयों को प्राप्त करे।

श्री साँवलिया सेठ जी का दरबार सदैव अपने भक्तों पर कृपा बरसाता रहा है। जो भी श्रद्धा और विश्वास के साथ उनके चरणों में आता है, वह कभी खाली हाथ नहीं लौटता। दिनेश सेठिया की यह 98 माह की अखंड दर्शन यात्रा इसी दिव्य सत्य का जीवंत उदाहरण है। यह हमें बताती है कि भक्ति केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं होती, बल्कि निरंतरता, समर्पण और अटूट विश्वास का नाम है।

हम सभी भक्तगण नागदा के परम भक्त दिनेश सेठिया को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करते हैं तथा प्रभु श्री साँवलिया सेठ जी से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीर्घायु प्रदान करें, ताकि उनकी यह भक्ति यात्रा अनवरत चलती रहे और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन सके।

बिलिडोज में अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में एफआईआर दर्ज

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध कॉलोनी निर्माण एवं नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम बिलिडोज, तहसील झाबुआ स्थित भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित किए जाने के मामले में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 61-घ (3) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ श्री महेश कुमार मंडलोई ने बताया कि तहसीलदार झाबुआ द्वारा राजस्व प्रकरण के तहत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जांच में पाया गया कि श्री अजय पीठवा पिता कन्हैयालाल पीठवा, श्रीमती अर्चना पति अशोकसिंह राठौर, आबिद हुसैन कुरेशी पिता सलीम हुसैन कुरेशी, आशिफ शेख पिता शेख मुबारिक आदी।

मालीपुरा में निरीक्षण कर जलभराव की समस्या का लिया जायजा, सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

नालों पर अतिक्रमण नहीं हटाया तो चलेगी जेसीबी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने दी चेतावनी

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को नगर में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निजात दिलाने और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने मालीपुरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क किनारे बने नालों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण में सामने आया कि कई स्थानों पर नालों के ऊपर एवं किनारों पर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे बारिश का पानी सुचारू रूप से नहीं निकल पा रहा है। इसके कारण बरसात के समय जलभराव की समस्या उत्पन्न होने के साथ ही नालों की नियमित सफाई भी प्रभावित हो रही है।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष प्रदीप सोनी नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में पहुंचे और रहवासियों से चर्चा कर उन्हें स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि नालों पर किया गया अतिक्रमण न केवल जल निकासी व्यवस्था में बाधा बन रहा है, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी परेशानी का कारण बन रहा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि संबंधित लोगों ने समय रहते स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया तो नगर परिषद द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदीप सोनी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि शहर को जलभराव और गंदगी से मुक्त रखना है। बरसात के मौसम में नालों की साफ-सफाई और निर्बाध जल निकासी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में नागरिकों का सहयोग भी जरूरी है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नालों की नियमित सफाई की जाए और जहां भी कचरा या अवरोध दिखाई दे, उसे तत्काल हटाया जाए। नगर परिषद द्वारा स्वच्छता एवं जल निकासी व्यवस्था को लेकर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर परिषद अध्यक्ष ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे सार्वजनिक नालों एवं सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें और नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं जलभराव मुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नगर हित में आवश्यक होने पर अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

मेना रोड वार्ड की पेयजल समस्या का हुआ स्थायी समाधान, नई मोटर लगने से वार्डवासियों को मिली राहत

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी के प्रयासों से मेना रोड स्थित संत रविदास सामुदायिक भवन के पास लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान कर दिया गया। बोरवेल की मोटर खराब होने के कारण क्षेत्र के लोगों को कई दिनों से पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। वार्डवासियों ने नगर परिषद अध्यक्ष से समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की थी। नगर परिषद द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को बोरवेल में नई मोटर स्थापित कर पेयजल आपूर्ति पुनः सुचारू कर दी गई। मोटर चालू होते ही क्षेत्र के लोगों को राहत मिली और उन्होंने नगर परिषद का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि गर्मी और वर्षा ऋतु के बीच पानी की समस्या से उन्हें काफी परेशानी हो रही थी, लेकिन अब नई मोटर लगने से पेयजल व्यवस्था सामान्य हो गई है।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखना उनकी प्राथमिकता है। जहां-जहां पेयजल, सड़क, नाली, सफाई अथवा अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित समस्याएं सामने आएंगी, उनका त्वरित एवं स्थायी समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि नगर में पेयजल व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, पार्षद प्रतिनिधि युगल किशोर परमार, अर्जुन जादमे, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. बी.एस. वर्मा, मंडल महामंत्री कालू सिंह चौहान, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया सहित वार्ड के सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने नई मोटर लगाए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी एवं संबंधित अधिकारियों का आभार जताया।

920 करोड़ की क्लोज डक्ट परियोजना में 8.15 किमी टनल खुदाई पूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री खट्टर टनल में उतरे, निर्माण गुणवत्ता का लिया जायजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच शहर की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल 919.94 करोड़ रुपए की कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना की प्रगति का शनिवार को मुख्यमंत्री और केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री ने चिंतामन-जवासिया क्षेत्र में जायजा लिया। दोनों नेता शाफ्ट नंबर-2 से टनल के भीतर पहुंचे और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा प्रगति देखी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित पानी को शिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, ताकि महाकाल की नगरी में शिप्रा का जल स्वच्छ और पवित्र बना रहे। इसके लिए जमालपुरा क्षेत्र में कान्ह नदी पर बैराज बनाकर दूषित जल को 30.15 किलोमीटर लंबे क्लोज डक्ट सिस्टम के जरिए गंभीर बांध के डाउनस्ट्रीम तक पहुंचाया जाएगा।

टनल निर्माण, 12 में से 8.15 किमी खुदाई पूरी- परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा 12 किलोमीटर लंबी भूमिगत टनल है। अधिकारियों के अनुसार टनल के लिए बनाए गए चारों शाफ्ट पूरी तरह तैयार हो चुके हैं। कुल 12 किलोमीटर लंबाई में से 8.15 किलोमीटर टनल की खुदाई पूरी कर ली गई है, जबकि शेष कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने टनल निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता की जानकारी भी ली।

कट एंड कवर डक्ट हेतु 10.30 किमी सेगमेंट तैयार- परियोजना में 18.15 किलोमीटर लंबाई का कट एंड कवर डक्ट बनाया जा रहा है। इसमें अब तक 4.50 किलोमीटर हिस्से में प्री-कास्ट सेगमेंट बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं 10.30 किलोमीटर लंबाई के लिए लेइंग योग्य प्री-कास्ट सेगमेंट तैयार कर लिए गए हैं। शेष हिस्सों में निर्माण कार्य प्रगति पर है।

25 साल की जरूरतों के हिसाब से डिजाइन- डी-आकार के विशेष क्रॉस सेक्शन वाले इस क्लोज डक्ट की क्षमता 40 क्यूमेक्स तक दूषित जल निकासी की है। परियोजना को अगले 25 वर्षों की जनसंख्या वृद्धि और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद 15 वर्षों तक संचालन एवं संधारण की भी व्यवस्था रहेगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने अधिकारियों को गुणवत्ता से समझौता किए बिना तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

मानसून की झमाझम दस्तक, 2 इंच ज्यादा बारिश

सड़के बनी तालाब, देर शाम भी जारी थी रिमझिम

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी में शनिवार को मानसून की दस्तक झमाझम तरीके से हुई। दोपहर 12 बजे शुरू हुई बारिश रुक रुक कर शाम 6 बजे तक होती रही। मानसून के पहले दिन ही दो दिन से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी थी वहीं शाम को भी रिमझिम का दौर जारी था।

शहर में मानसून की दस्तक का समय 15 जून माना गया है। इस बार 5 दिन बाद 20 जून शनिवार को मानसून की दस्तक हुई पहली बार में ही झमाझम बारिश से पूरा शहर तरबतर हो गया। दोपहर 12 शुरू हुई बारिश करीब 40 मिनट तक जारी रही जिसके बाद बारिश का दौर थम गया। लेकिन आसमान में बादल उमड़ते रहे। दोपहर 3 बजे बाद फिर से झमाझम बारिश की शुरुआत हो गई। इसके बाद करीब 3 घंटे में 2 इंच से अधिक बारिश हो गई। जीवाजी राव वेधशाला अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्त ने बताया कि शाम 6 बजे तक 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी थी। उसके बाद कुछ देर रफ्तार कम हुई। शाम 7 बजे फिर 10 मिनट तेज बारिश का दौर चला। 7:30 बजे बाद रिमझिम का सिलसिला बना हुआ था। मानसून की पहली दस्तक की झमाझम के बाद मौसम में ठंडक आ गई थी वहीं पिछले चार दिनों से महसूस हो रही उमस भी खत्म हो चुकी थी मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बारिश की संभावना बनी हुई है।

शहर में चारों ओर जल जमाव की स्थिति- सिंहस्थ 2028 को लेकर पूरे शहर में सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्यों का कार्य प्रगति पर है बारिश की वजह से काम की रफ्तार थम गई थी लेकिन शहर में चारों ओर जल जमाव की स्थिति दिखाई देने लगी चौड़ीकरण मार्गों के आसपास पानी भरा दिखाई दे रहा था। कई क्षेत्रों में नालियों की सफाई नहीं होने से सड़कों पर गंदगी फैल चुकी थी। जल बहाव के चलते पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था।

बिजली के खंभे में फैल गया करंट- बारिश के बीच जूना सोमवारिया क्षेत्र के वार्ड 13 में मस्जिद के पास एक घटना हुई। बारिश के बाद बिजली के खंभे में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से आठ बकरों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लगे डीपी को हटाने और विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए पहले भी कई बार अधिकारियों को शिकायतें की गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हत्या के बाद लाश छिपाने वाले आरोपी हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालियादेह बावनकुण्ड पर हत्या कर छुपाई गई लाश का खुलासा दो आरोपियों के हिरासत में आते ही हो गया। आरोपी मृतक के दोस्त थे शराब पीने के दौरान विवाद होने पर दोनों ने हत्या कर लाश को छुपा दिया था। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि कालियादेह बावनकुण्ड से कपड़ों के ढेर में छुपा कर रखी गई खून से सनी लाश बरामद की गई थी। जिसकी पहचान हीरालाल पिता मोतीराम केवट 40 साल के रूप में हुई। मृतक पिछले 15 सालों से बावनकुण्ड के पास नारियल एकत्रित करने और मछली पकड़ने का काम करता था। परिजनों को सूचना देने पर भाई सुरेश केवट और रिश्तेदारों ने घटनास्थल पर पहुंचे बताया कि हीरालाल की पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी थी वह अकेला ही कुंड के आसपास रहता था। रात में भी घर नहीं आता था रिश्तेदार कालियादेह ग्राम में ही रहते हैं। पुलिस के अनुसार मामला हत्या का होने पर प्रकरण दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। इस दौरान पता चला कि हीरालाल की हत्या में दिलीप उर्फ दद्दे पिता नरसिंह केवट 32 वर्ष और मुकेश पिता गट्टूजी केवट 35 वर्ष, निवासी आबूखाना, कालियादेह के पास शामिल है दोनों को चंद घंटे बाद हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई तो शराब पीने के दौरान हुए विवाद में हत्या किया जाना सामने आ गया पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिन्हें आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने कपिला गौशाला पहुंचकर गौ पूजन किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय ऊर्जा, शहरी विकास एवं आवासन मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को ग्राम रत्नाखेड़ी स्थित कपिला गौशाला पहुंचकर गौ-माता की पूजा कर पशु आहार खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कपिला गौशाला के प्रस्तावित कार्य के बारे में मानचित्र के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा स्थानीय निकायों के माध्यम से गौशाला संचालन का मॉडल विकसित किया गया है। इसके तहत नगरीय एवं ग्रामीण निकायों को गौशाला संचालन के लिए आवश्यक सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही बड़े स्तर पर सामुदायिक गौशाला संचालित करने के इच्छुक संस्थानों एवं व्यक्तियों को भी शासन द्वारा प्रोत्साहन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश की गौशालाओं में लगभग 4 लाख गोवंश सुरक्षित रूप से संरक्षित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्युतानंद जी महाराज के सहयोग से गौ सेवा एवं गौ संरक्षण के प्रति जनभागीदारी लगातार बढ़ रही है। इंदौर,उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर सहित विभिन्न नगरों में लोग अपने जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर गौशालाओं में जाकर गौ सेवा करते हैं, जिससे गौ सेवा के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ी है।

उल्लेखनीय है कि कपिला गौशाला, रत्नाखेड़ी में अनुमानित लगभग 2000 गौवंश को रखने की क्षमता विकसित की जा रही है।

मोहर्रम से पहले घोड़े के जुलूस में बवाल, बेगमबाग में चले लाठी-डंडे

वायरल वीडियो ने बढ़ाई पुलिस की चिंता- मोहर्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहर्रम से पहले शहर के बेगमबाग क्षेत्र में निकल रहे घोड़े के जुलूस के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है। जुलूस में शामिल कुछ युवक आपस में भिड़ गए और देखते ही देखते विवाद लाठी-डंडों तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आगामी मोहर्रम जुलूसों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार घटना 18 जून की रात की बताई जा रही है। गरीब नवाज क्षेत्र से निकलने वाला घोड़े का जुलूस घोड़ा कोट मोहल्ला, महाकाल चौराहा और बेगमबाग क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और दोनों पक्षों के युवक एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने लगे। वायरल वीडियो में एक दर्जन से अधिक युवक हाथों में डंडे लिए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युवक सड़क पर एक-दूसरे का पीछा करते और हमला करते नजर आ रहे हैं। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

शिकायत नहीं, लेकिन पुलिस अलर्ट- हालांकि घटना के संबंध में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया है। मोहर्रम के दौरान निकलने वाले जुलूसों को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मोहर्रम के सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। पुलिस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है और घटना में शामिल युवकों की पहचान की जा रही है।

मोहर्रम से पहले सुरक्षा पर उठे सवाल- घटना ऐसे समय सामने आई है जब मोहर्रम को लेकर शहर में तैयारियां चल रही हैं। जुलूस के दौरान हुई मारपीट ने सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

10 दिन बाद खोदी गई समाधि, बाहर निकला साधु का शव

आखिरी फोन कॉल में सुनाई दी थी विवाद की आवाजें, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका- कुटिया से बाइक और सामान भी गायब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलनाथ क्षेत्र में एक साधु की मौत ने रहस्य और सनसनी का रूप ले लिया है। परिवार की शिकायत के बाद 10 दिन पुरानी समाधि को खोदकर साधु का शव बाहर निकाला गया। परिजनों का आरोप है कि साधु की मौत स्वाभाविक नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। मामले में हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार जावरा के पीपली बाजार निवासी अनिल जोशी ने चिमनगंज मंडी थाना पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उनके भाई सुनील जोशी ने वर्ष 2010 में संन्यास ले लिया था और गंगेश्वरी महाराज के नाम से मंगलनाथ क्षेत्र स्थित एक कुटिया में रहकर साधना कर रहे थे। अनिल जोशी का कहना है कि करीब 10 दिन पहले उनकी अपने भाई से आखिरी बार मोबाइल पर बात हुई थी। बातचीत के दौरान फोन पर कुछ लोगों के बीच विवाद और कहासुनी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसी बीच अचानक फोन कट गया। इसके बाद जब दोबारा संपर्क करने की कोशिश की गई तो मोबाइल लगातार बंद मिला।

भाई की तलाश में जब परिजन उज्जैन पहुंचे तो उन्हें हैरान कर देने वाली जानकारी मिली। आसपास के लोगों ने बताया कि गंगेश्वरी महाराज का निधन हो चुका है और उन्हें कुटिया के पीछे समाधि दे दी गई है। परिजनों का आरोप है कि उन्हें मौत की सूचना तक नहीं दी गई। इतना ही नहीं, साधु की मोटरसाइकिल और निजी सामान भी गायब मिले। इन परिस्थितियों ने परिजनों के शक को और गहरा कर दिया। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आए। एसडीएम की मौजूदगी में समाधि की खुदाई कर शव बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। 10 दिन बाद शव निकलते ही मौके पर मौजूद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही यह तय हो सकेगा कि यह सामान्य मृत्यु थी या फिर इसके पीछे कोई साजिश छिपी है। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की गहन जांच कर रही है।

संन्यास लेकर बने थे गंगेश्वरी महाराज- परिजनों के अनुसार सुनील जोशी दो बच्चों के पिता थे। वर्ष 2010 में उन्होंने गृहस्थ जीवन छोड़कर संन्यास धारण कर लिया था। इसके बाद वे गंगेश्वरी महाराज के नाम से धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन जी रहे थे। उनकी मां कृष्णा जोशी भी मंदिर में सेवा कार्य से जुड़ी हुई हैं।

आज उज्जैन में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज रविवार को उज्जैन में जिला स्तरीय कार्यक्रम राजाभाऊ महाकाल स्टेडियम दशहरा मैदान में सुबह 6 बजे से 7:45 बजे तक होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग प्रेमी, विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी और नागरिक शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल रहेंगे।

आयोजन के दौरान नरेंद्र मोदी और मोहन यादव की सहभागिता का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिभागियों को सुबह 6 बजे से पहले पहुंचना होगा। अतिथियों का आगमन और स्वागत सुबह 6 से 6:30 बजे तक होगा। इसके बाद कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुबह 6:45 बजे प्रसारित किया जाएगा। इसके बाद सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। कार्यक्रम में सभी स्कूलों, महाविद्यालयों के विद्यार्थी तथा शासकीय कर्मचारियों सहित सामाजिक संगठनों और आम नागरिक शामिल होंगे।

गिरफ्त में पांच लाख की फिरौती मांगे वाले बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लैंक्सेस कंपनी के डिप्टी मैनेजर से पांच लाख की फिरौती मांगने वाले 3 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों के खिलाफ पूर्व में अपराध दर्ज होना सामने आये है। बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि लैंक्सेस कंपनी के डिप्टी मैनेजर राजेश यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 बदमाशों द्वारा उनसे पांच लाख की फरौती मांगी जा रही है। बदमाशों ने उन्हे जान से मारने की धमकी देकर पांच हजार रूपये छीन लिये है। मामले में बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया और गुरूवार शाम फिरौती मांगने वाले बदमाशों उमेश पिता रमेश कल्याणे, दीपक पिता बाबूलाल कल्याणे, संदीप पिता रामलाल राठौड निवासी सी ब्लॉक टापरी बिरलाग्राम को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से छीने गये पांच हजार में से मात्र 560 रूपये बरामद हो पाये है। शेष राशि खर्च करना बताया। थाना प्रभारी के अनुसार उमेश के खिलाफ पूर्व में 8, दीपक के खिलाफ 5 और संदीप पर 2 अपराधिक मामले दर्ज है। बदमाशों द्वारा बिरलाग्राम और नागदा में कंपनी के कर्मचारियों से आये दिन फिरौती की मांग की जाती है। पूर्व में भी बदमाशों के खिलाफ कई कर्मचारी शिकायती आवेदन दे चुके है। बदमाशों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

सिंहस्थ के दौरान इंदौर एयरपोर्ट से सीधे उज्जैन पहुंच सकेंगे श्रद्धालु

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री खट्टर ने रखी आधारशिला - सिंहस्थ के लिए 48 किमी लंबा फोरलेन मार्ग बनेगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को नई गति देने वाली प्रदेश की महत्वाकांक्षी इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर परियोजना का शनिवार को भूमि पूजन हो गया। मुख्यमंत्री और केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रावतीगंज में करीब 2935 करोड़ रुपए की इस बहुप्रतीक्षित परियोजना की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस महत्वपूर्ण योजना का शनिवार को भूमि पूजन कर दिया। करीब 2935 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 48 किलोमीटर लंबा फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर सिंहस्थ-2028 की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजनाओं में शामिल है। इसके निर्माण से इंदौर और उज्जैन के बीच आवागमन अधिक तेज, सुरक्षित और सुगम होगा तथा लाखों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा। यह नया मार्ग इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन स्थित चिंतामण गणेश मंदिर के समीप सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। इससे वर्तमान मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और सिंहस्थ के दौरान वाहनों का संचालन अधिक व्यवस्थित हो सकेगा।

917 किसानों को मिला 816 करोड़ से अधिक मुआवजा- परियोजना के लिए कुल 242.939 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है, जिससे 917 किसानों की भूमि प्रभावित हुई। किसानों को 816 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा प्रदान किया गया। मुआवजा कलेक्टर गाइडलाइन के बजाय वास्तविक बिक्री दरों के आधार पर तय किया गया, जिससे किसानों को सामान्य दरों की तुलना में 4 से 8 गुना तक अधिक राशि प्राप्त हुई।

15 लाख लोगों को मिलेगा लाभ- ग्रीन फील्ड कॉरिडोर से इंदौर जिले के 20 और उज्जैन जिले के 8 गांव सीधे जुड़ेंगे। इसके अलावा आसपास के 40 से 50 गांवों के लगभग 15 लाख लोगों को बेहतर सड़क संपर्क का लाभ मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापार, रोजगार और परिवहन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एयरपोर्ट से सीधे महाकाल नगरी तक आसान पहुंच- सिंहस्थ-2028 में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह कॉरिडोर बड़ी सुविधा साबित होगा। यात्री इंदौर एयरपोर्ट से सीधे इस मार्ग के जरिए उज्जैन पहुंच सकेंगे। इससे वर्तमान इंदौर-उज्जैन मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी।

मालवा के विकास को मिलेगी नई दिशा...- सरकार के अनुसार यह परियोजना केवल सिंहस्थ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, व्यापारिक गतिविधियों और पर्यटन को भी नई गति देगी। महाकाल लोक सहित धार्मिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क मिलने से मालवा क्षेत्र के समग्र विकास को बल मिलेगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखकर शुरू हुई यह परियोजना प्रदेश के सबसे बड़े कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में शामिल है और आने वाले वर्षों में इंदौर-उज्जैन को विकास के नए गलियारे के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्कूलों में आवश्यक कार्य पूर्ण कराएं, योजनाओं का टारगेट शतप्रतिशत पूर्ण करें- संयुक्त आयुक्त श्री वर्मा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में लोक स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण विभाग, महिला बाल विकास विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के संभागीय व जिला अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री वर्मा ने सभी संभाग के अधिकारियों को शाला विकास समिति के माध्यम से स्कूलों में आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री वर्मा ने सभी विभागों से शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं का टारगेट पूरा करने के निर्देश दिए।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल के कलेक्टर सभागार में संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान छोटे बच्चों के ड्रॉप आउट,नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉप आउट में कमी, विद्यालयों में पुस्तक वितरण, मिशन अंकुर योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉप आउट में सबसे कम प्रतिशत वाले जिले के अधिकारियों को टारगेट पूरा करने के निर्देश संयुक्त आयुक्त श्री वर्मा ने दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य का त्रिवेणी घाट पर अवलोकन किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 778 करोड़ रुपए राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य की प्रगति का नवनिर्मित त्रिवेणी घाट पहुंचकर अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने घाट निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव अनुरूप हो।

निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा द्वारा दी गई। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने जानकारी दी कि 29.15 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य 778 करोड़ रुपए राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है, साथ ही 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 22 किमी में घाट निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर, कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने त्रिवेणी घाट पर नीम, रुद्राक्ष, पीपल के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सत्यमेव जयते

योग-संगम

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

'स्वस्थ आयु के लिए योग' I 'Yoga for Healthy Ageing'

सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल

राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून 2026 | गैरीसन ग्राउंड, जबलपुर

आयुष से आरोग्य

आयुष शिक्षा का विस्तार

9 आयुष महाविद्यालय संचालित एवं
9 नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों को स्वीकृति

तकनीकी नवाचार

'वैद्य आपके द्वार' योजना अंतर्गत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन परामर्श की सुविधा,
अब तक 23 हजार से अधिक को मिला लाभ

वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, कान्हा जैसे 18 प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर
वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान देते हुए विशेष वेलनेस केन्द्रों का विकास

जन-जन तक स्वास्थ्य का संबल

800+ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुरक्षा,
हर जिला चिकित्सालय में आयुष विंग सक्रिय

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज यह विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D11046/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026